www.tamsasanket.com
वर्ष: 29||अंक 140||अम्बेडकरनगर
सोमवार
10 अगस्त 2026||पृष्ठ: 08||मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदय: 05:35
सूर्यास्त: 06:49
अधिकतम: 33°00
न्यूनतम: 28°00

पेज 07
विशेष समाचार | लखनऊ निराश्रित महिला... >>पेज 04 | स्कूली बच्ची से रेप-मर्डर का... >>पेज 06 | पैपराजी पर भड़कीं हार्दिक...

■ योगी ने पूछा- राहुल-अखिलेश ने युवाओं के लिए क्या किया, पहले यूपी की पहचान माफिया और गुंडागर्दी से थी, अब कर्फ्यू-दंगे नहीं होते

■ समाजवादी पार्टी के एजेंडे में विकास नहीं है 59 हजार करोड़ से अधिक का अनुपूरक बजट हम लेकर आए थे उन्होंने उसमें रोड़े अटकाए

हमने कहा कांवड़ यात्रा अनुशासन और गौरव के साथ निकलेगी : सीएम योगी

समाजवादी पार्टी के एजेंडे में विकास नहीं है : योगी

311 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सीएम योगी ने रविवार को सिद्धार्थनगर को सौगात दी।

सौगात

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ, सिद्धार्थनगर । 'कांग्रेस ने देश के युवा के सामने और समाजवादी पार्टी ने यूपी के युवा के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया था। 2017 से पहले यूपी का युवा दूसरे राज्यों में अपनी पहचान बताने से बचता था। प्रदेश की पहचान गुंडागर्दी, माफिया और कानून-व्यवस्था की खराब स्थिति से होती थी। अब स्थिति बदल चुकी है।'

यह बात सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सिद्धार्थनगर में कही। उन्होंने जिले को 311 करोड़ रुपए की 107 विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। योगी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का नाम लेते हुए सवाल किया कि लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद दोनों दलों ने युवाओं के लिए क्या किया?

>> (शेष पेज 06 पर)

■ प्रदेश में जल्द नई युवा नीति लाई जाएगी। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए वर्चुअल और फिजिकल क्लास की व्यवस्था होगी। आईटीआई में अब केवल पारंपरिक ट्रेड नहीं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स और 3डी प्रिंटिंग जैसी आधुनिक तकनीकों की ट्रेनिंग दी जा रही है।
- सीएम योगी

कांग्रेस पर काकोरी ट्रेन एक्शन को लेकर हमला

मुख्यमंत्री ने 9 अगस्त, 1925 की काकोरी घटना का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर भी निशाना साधा। कहा- राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, ठाकुर रोशन सिंह, चंद्रशेखर आजाद और अन्य क्रांतिकारियों ने देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित किया। लंबे समय तक सत्ता में रहने वालों ने क्रांतिकारियों के योगदान को उचित सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काकोरी घटना का नाम 'काकोरी ट्रेन एक्शन' कर क्रांतिकारियों के योगदान को सम्मान देने का काम किया। कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए देश को जाति, क्षेत्र और भाषा के आधार पर बांटने की राजनीति की। कभी सिद्धार्थनगर को पिछड़े और आकांक्षी जिले के रूप में देखा जाता था। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और कृषि विकास के क्षेत्र में जिला पीछे था। पिछले 8-9 साल में केंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों से तस्वीर बदली है। नीति आयोग की रैंकिंग में सिद्धार्थनगर बेहतर प्रदर्शन कर चुका है।

>> (शेष पेज 06 पर)

हमने 9 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी

योगी ने कहा- कांग्रेस को देश में सबसे ज्यादा समय तक शासन करने का मौका मिला। सपा 4 बार यूपी में सरकार बना चुकी है। इसके बावजूद युवाओं के लिए ऐसा क्या किया गया कि वे उनके साथ खड़े हों? कांग्रेस के शासन में भ्रष्टाचार, आतंकवाद, नक्सलवाद का माहौल बना। सपा सरकार में प्रदेश में माफिया का प्रभाव था। हर जिले में एक माफिया, हर थाने और तहसील में माफिया का कब्जा था। गरीब की जमीन पर कब्जा होता था। मेरी सरकार ने पिछले 9 साल में 9 लाख से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। बिना भेदभाव के भर्ती हुई। सिद्धार्थनगर के युवाओं को भी नियुक्तियां मिली हैं।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

भारतीय परंपराओं में कुछ यात्राएं धार्मिक अनुष्ठान मात्र नहीं होतीं, अपितु वे समाज, संस्कृति, अनुशासन एवं लोकजीवन की जीवंत पाठशाला भी बन जाती हैं। **श्रावण में निकलने वाली कांवड़ यात्रा ऐसी ही एक अनुपम परंपरा है,** जो प्रत्येक वर्ष करोड़ों श्रद्धालुओं को शिवभक्ति के सूत्र से जोड़ती है।

इस यात्रा में **हर शिवभक्त की पहचान एक होती है-कांवड़िया। भगवा वस्त्र, कंधे पर कांवड़ और हृदय में भोलेनाथ के प्रति अटूट श्रद्धा। पैदल चलते कदम अलग हो सकते हैं, लेकिन सबका लक्ष्य एक ही है-महादेव का जलाभिषेक।** यहां जाति, वर्ग, भाषा, क्षेत्र अथवा आर्थिक भेद गौण हो जाते हैं। कांवड़ यात्रा समरसता का महापर्व है और यही सनातन संस्कृति के समभाव का जीवंत उदाहरण भी है।

समुद्र मंथन के समय भगवान शिव ने सृष्टि की रक्षा के लिए अपने कंठ में हलाहल धारण किया और नीलकंठ कहलाए। उस विष की उष्णता को शांत करने के लिए देवताओं ने उनका गंगाजल से अभिषेक किया। तभी से श्रावण मास में गंगाजल अर्पित करने की परंपरा विशेष पुण्यदायी मानी जाती है। कांवड़ यात्रा तप, सेवा, आत्मसंयम और परस्पर सहयोग का संदेश देती है। **तप से चरित्र दमकता है, सेवा से समाज संवरता है और एकता से राष्ट्र निखरता है।**

जब मैं अनेक शिवभक्तों को देखता हूं, जिनमें कई दिव्यांग भी होते हैं, जो कठिनाइयों की चिंता किए बिना कांवड़ लेकर पूरे उत्साह से यात्रा पूर्ण करते हैं तो मन श्रद्धा से भर उठता है। **श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास और समर्पण कांवड़ यात्रा की सबसे बड़ी शक्ति है।**

प्रत्येक शिवभक्त की यात्रा सम्मानपूर्ण ढंग से संपन्न हो, इसके लिए प्रदेश सरकार कृतसंकल्पित है। **कांवड़ियों के स्वागत में पुष्पवर्षा की व्यवस्था की गई है तथा यात्रा मार्गों पर स्वच्छता सुनिश्चित की गई है।** व्यवस्थित शिविर, शुद्ध पेयजल, चिकित्सकीय सहायता, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, प्रभावी यातायात प्रबंधन तथा नियंत्रण कक्ष से सतत निगरानी के माध्यम से यात्रा को सुचारु बनाया गया है।

मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि कांवड़ यात्रा को सामाजिक उत्तरदायित्व और सेवा का उत्सव बनाएं। पर्यावरण-अनुकूल कांवड़ अपनाएं तथा प्लास्टिक-मुक्त जीवन का संकल्प लें। यदि मार्ग में एंबुलेंस अथवा विद्यालय वाहन जा रहा हो, तो उसे प्राथमिकता दें। **हमारी छोटी-सी सजगता किसी के लिए बड़ी सहायता बन सकती है।**

सरकार आपकी सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, किंतु **इस पावन परंपरा की गरिमा बनाए रखना हम सभी का दायित्व है।** श्रद्धा, अनुशासन, संयम और सेवा का यही भाव कांवड़ यात्रा की आत्मा है और भगवान शिव के लोकमंगल का वास्तविक संदेश भी।

आपका
योगी आदित्यनाथ

श्रद्धालुओं के साथ सरकार
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

फास्ट न्यूज

बारामती एयरफील्ड पर ट्रेनर प्लेन रनवे से उतरा

मुंबई। महाराष्ट्र के बारामती एयरफील्ड पर ट्रेनिंग एक्सरसाइज के दौरान एक ट्रेनर प्लेन रनवे से फिसल गया। पुणे के एसपी के मुताबिक, प्लेन में कैप्टन चिराग शशिकांत डोइफोडे और कैडेट अभिजीत जूंद्रे सवार थे।

बचाव | सलाह

वेणुगोपाल बोले-कांग्रेसी ऐसे बयान न दें, जिससे बीजेपी खुश हो

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार को पार्टी नेताओं को भाजपा को खुश करने वाले बयान देने से बचने को कहा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक थरूर ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम जेन-जी के बीच उतना असर नहीं डाल सका, जितना 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध प्रदर्शनों ने डाला था। वेणुगोपाल ने कहा कि उन्होंने थरूर का बयान केवल कुछ मीडिया चैनलों पर पढ़ा है और वे ठीक-ठीक नहीं सुन पाए कि थरूर ने क्या कहा था।

130 कलाकारों ने बनाई स्वतंत्रता दिवस की इन्विटेशन किट

नई दिल्ली। 80वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 'एट होम' रिसेप्शन होस्ट करने वाली हैं। इस डिनर के लिए जो निमंत्रण पत्र बनाया गया है, उसे 130 कारीगरों की टीम ने बनाया है। इस कार्ड की खासियत है कि इसमें छत्तीसगढ़, गोवा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की समृद्ध कला, परंपराएं और सांस्कृतिक विरासत दिखाई गई हैं।

जेन-जी आंदोलन के बाद पार्टियां रणनीति बदल रहीं

2027 में 7 राज्यों में चुनाव, 22% वोटर जेन-जी

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । अगले साल 7 राज्यों- उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर और गोवा में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन चुनावों में जेन-जी यानी 18 से 29 साल के मतदाता अहम भूमिका निभा सकते हैं।

इसके पीछे दो बड़ी वजहें हैं। पहली, जुलाई में दिल्ली में हुआ जेन-जी आंदोलन, जिसने युवाओं के राजनीतिक रुझान को लेकर नई बहस छेड़ी। दूसरी, बिहार के बांकीपुर और मध्य प्रदेश के दतिया उपचुनाव के चौंकाने वाले नतीजे, जिनसे युवाओं की चुनावी भूमिका पर चर्चा तेज हुई है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, चुनावी समीकरण में महिला, पिछड़ा, किसान और दलित जैसे वर्गों के साथ अब जेन-जी भी एक अहम वोटर ग्रुप बनता जा रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

■ 7 राज्यों के पिछले चुनाव में 257 सीटों पर 5% वोट मार्जिन रहा

ट्रॉले ने वैन को टक्कर मारी, 6 दोस्तों की मौत

बदनावर (धार)। धार जिले के बदनावर में रॉन्ग साइड से आ रहे ट्रॉले ने वैन को सामने से ऐसी टक्कर मारी कि वह पिचक गई। वैन में सवार सभी छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। गुजरात में वड़ोदरा के रहने वाले ये युवक आपस में दोस्त थे और उज्जैन से महाकाल के दर्शन कर लौट रहे थे।

हादसा रविवार दोपहर करीब 1 बजे पंचकवास गांव के पास उज्जैन फोरलेन पर हुआ। वैन की हालत ऐसी थी कि उसकी बॉडी काटकर दो शव निकाले जा सके। ट्रॉला ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। देर शाम करीब साढ़े 6 बजे मृतकों के परिजन वड़ोदरा से बदनावर पहुंचे। पोस्टमॉर्टम के बाद शव उन्हें सौंपे गए। मितेश के चाचा अश्विन चौहान ने कहा- आज सुबह ही मयूर से बात हुई थी। सभी दोस्त शनिवार को महाकाल दर्शन के लिए घर से निकले थे। वैन राकेश चला रहा था।

आज से सीआईडी शुरू करेगी पूछताछ, विधानसभा तक छात्रों का मार्च

जेपीएससी के तीन सदस्यों का इस्तीफा

फैसला

■ पूर्व जेपीएससी अध्यक्ष से चार दौर में किए गए थे सवाल
■ रिमांड पर चल रहे दो आरोपियों से भी पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

रांची । झारखंड लोक सेवा आयोग से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आयोग के तीन सदस्यों अजिता भट्टाचार्य, अनीमा हांसदा और जमाल अहमद के पद से दिए गए इस्तीफे स्वीकार कर लिए हैं। झारखंड लोक भवन की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, राज्य सरकार की सिफारिश के आधार पर राज्यपाल ने यह फैसला लिया। अधिकारियों के अनुसार, सीआईडी की टीम सोमवार को डॉ. अजीता भट्टाचार्य, मंगलवार को डॉ. अनिमा हांसदा और बुधवार को डॉ. जमाल अहमद से पूछताछ करेगी। आवश्यकता पड़ने पर तीनों को दोबारा भी बुलाया जा सकता है।

>> (शेष पेज 06 पर)

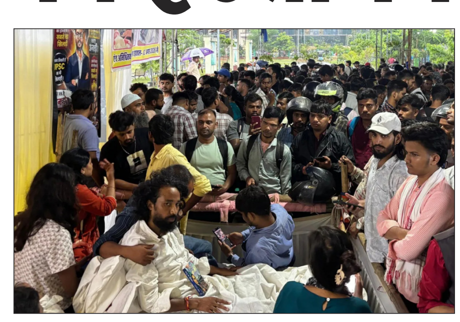

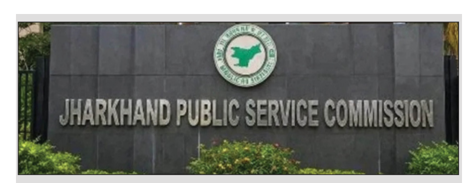

सरकार की सिफारिश पर राज्यपाल ने लगाई मुहर

राजभवन की ओर से बताया गया कि तीनों सदस्यों ने जेपीएससी में अपने पद से इस्तीफा दिया था। राज्य सरकार की सिफारिश के बाद राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने इन इस्तीफों को स्वीकार कर लिया। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्र आंदोलन कर रहे हैं। छात्र संगठनों की ओर से परीक्षाओं की प्रक्रिया में सुधार और कथित अनियमितताओं की जांच समेत कई मांगें उठाई जा रही हैं।

हमला : ममता बोलीं- पुलिस के सामने लोगों ने हमला किया, खिड़की खुली होती तो सिर चकनाचूर हो जाता

मेरी गाड़ी पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके गए : ममता

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि उनकी गाड़ी पर पत्थरों से हमला किया गया। पुलिस के सामने भीड़ ने गाड़ी रोक ली। कार पर मिट्टी और कीचड़ लगा दिया। कुछ लोगों ने जूते-पत्थर भी फेंके। अगर खिड़की खुली होती तो सिर चकनाचूर हो जाता, मौत भी हो सकती थी।

दरअसल ममता उत्तर 24 परगना जिले में एक टीएमसी कार्यकर्ता की मौत के बाद उसके परिवार से मिलने जा रहीं थीं। रास्ते में बिजपुर के पास स्थानीय भीड़ ने उनका काफिला रोक लिया। प्रदर्शनकारियों ने 'चोर-चोर' के नारे लगाए। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में 8 जुलाई को TMC की रैली में हंगामा हो गया था। इस दौरान ममता बनर्जी नाराज हो गईं। वे अपनी ही पार्टी के तीन कार्यकर्ताओं को थप्पड़ मारते नजर आईं थीं।

>> (शेष पेज 06 पर)

■ ममता उत्तर 24 परगना जिले में एक टीएमसी कार्यकर्ता की मौत के बाद उसके परिवार से मिलने जा रहीं थीं।

बीजेपी राज्य मंत्री बोलीं-महिला पर ऐसे हमली सहीं नहीं

पश्चिम बंगाल में पूर्व सीएम ममता बनर्जी के वाहन पर हुए हमले के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्य मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने कहा है कि पिछले 14 सालों में उन्होंने जो भी किया हो, लेकिन मैं नई सरकार की टीम की सदस्य और मुख्यमंत्री की समर्थक हैं. उन्होंने स्पष्ट किया कि न तो वह, न ही उनकी पार्टी और न ही उनकी सरकार किसी के साथ मारपीट करने, बदसलूकी करने या उन पर कीचड़, स्याही या जूते फेंकने जैसे कृत्यों का समर्थन करती है, क्योंकि यह हमारी और बीजेपी की संस्कृति का हिस्सा नहीं हो सकता।

ममता बोलीं- पूरा पश्चिम बंगाल गुंडों के कंट्रोल में है

ममता बनर्जी ने कहा, मेरी कार पर हमला एक साजिश के अलावा कुछ नहीं है। मैंने पुलिस को बताया था कि मैं यहां आऊंगी, इसके बावजूद पुलिस ने कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं किए। पूरे पश्चिम बंगाल को गुंडे नियंत्रित कर रहे हैं। दरअसल ममता तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता बिरजू केओट की मौत के बाद उनके परिवार से मिलने आईं थीं। बिरजू की मौत हालीशहर पुलिस की हिरासत में तबीयत बिगड़ने के बाद हुई थी।

देश में ई20 लागू किया जा रहा है : केजरीवाल

विरोध की पोस्ट तक सोशल मीडिया से हटाई जा रही

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने E20 को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोगों को अपनी आवाज उठाने से रोक रही है। X पर पोस्ट किए गए वीडियो में उन्होंने कहा- जो ई-20 के खिलाफ आवाज उठाता है, उसका पेज डाउन करा देते हैं। उसका वीडियो डिलीट करवा देते हैं। उसके अकाउंट पर एफआईआर करा देते हैं। गुंडागर्दी करते हैं। तरह-तरह से उसको परेशान करते हैं। उन्होंने सवाल किया कि इस तरह पीएम मोदी 140 करोड़ लोगों को कैसे दबा पाएंगे? केजरीवाल ने वीडियो में पीएम मोदी पर चुटकुला सुनाया-अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी की पुलिस के बीच जंगल में छोड़े गए शेर को खोजने का कॉम्पटीशन हुआ।

>> (शेष पेज 06 पर)

■ ई20 पेट्रोल से वाहन बीमा पर कोई असर नहीं: सरकार

गंगा में डूबते कांवड़िए को बचाया, मुजफ्फरनगर में बंकरों में हथियारों से लैस जवान तैनात

बीमार पति को पीठ पर लादकर चल रही पत्नी

यात्रा

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ, बागपत, सहारनपुर, बरेली। पश्चिमी यूपी की सड़कों पर कांवड़ियों की भीड़ बढ़ती जा रही है। कोई हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहा है, तो कोई जल लेने जा रहा है। इस बार कांवड़ यात्रा में भक्ति के साथ अलग-अलग रंग भी देखने को मिल रहे हैं। कहीं 'आदि योगी' थीम तो कहीं 'कांतारा' फिल्म की थीम पर कांवड़ लेकर भक्त चल रहे हैं।

सहारनपुर में रजनी ने पति की याद में कांवड़ उठाई। उन्होंने कांवड़ पर पति की तस्वीर लगाई है। उन्होंने कहा- 2022 में पति निशु की मौत हो गई थी। हापुड़ डीएम कविता मीना और एसपी केजी सिंह ने कांवड़ियों पर हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए। बरेली में मुस्लिमों ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। यहां कांवड़ियों के लिए प्रशासन ने कांवड़ विलेज बनवाया है।

वहीं, हरिद्वार में गंगा में डूब रहे यूपी के कांवड़ियों को बचा लिया गया। मेरठ में एक महिला बीमार पति को पीठ पर लादकर चल रही है। वह हरिद्वार से गंगाजल लेकर मेरठ पहुंची हैं। उनके साथ दोनों बच्चे भी हैं। रीना ने बताया-बीमारी के कारण मेरे पति चल नहीं पाते। उनके ठीक होने की मन्नत लेकर पैदल कांवड़ यात्रा पर निकली हूं। मुझे भरोसा है कि भोलेनाथ मेरी अर्जी जरूर सुनेंगे। इधर, जैसे-जैसे शिवभक्त कांवड़ियों की संख्या बढ़ रही है, वैसे-वैसे सुरक्षा व्यवस्था भी सख्त की जा रही है।

कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए भीड़भाड़ वाले इलाकों में बंकर बनाए गए हैं। बुलेटप्रूफ जैकेट और ऑटोमेटिक हथियारों से लैस जवान तैनात हैं।

मेरठ में बीमार पति को पीठ पर लादकर चल रही पत्नी

मेरठ में एक महिला बीमार पति को पीठ पर लादकर कांवड़ यात्रा करती नजर आई। रीना हरिद्वार से गंगाजल लेकर मेरठ पहुंची हैं। उनके साथ दोनों बच्चे भी हैं। रीना ने बताया कि बीमारी के कारण उनके पति चल नहीं पाते। इसलिए उन्होंने भोलेनाथ से पति की अच्छी सेहत और जल्द ठीक होने की मन्नत मांगी है। इसी मन्नत को पूरा करने के लिए वह परिवार के साथ पैदल कांवड़ यात्रा कर रही हैं। रीना ने कहा, "मुझे भरोसा है कि भोलेनाथ मेरी अर्जी जरूर सुनेंगे।"

मेरठ में खुद की बनाई बाइक से हरिद्वार से जल लेकर लौट रहे दो भाई

मेरठ के रोहटा रोड निवासी सगे भाई आशीष और अक्षय अपनी बनाई 'तेजस' इलेक्ट्रिक बाइक से हरिद्वार से गंगाजल लेकर मेरठ लौट रहे हैं। दोनों ने 2022 में करीब 45 हजार रुपए खर्च कर यह बाइक तैयार की थी। पिता ने बुलेट बाइक दिलाने से मना किया तो दोनों भाइयों ने खुद ही बाइक बनाने का फैसला किया था। उन्होंने PVC पाइप, 24 एंपियर का चार्जर और कबाड़ के सामान से इलेक्ट्रिक बाइक तैयार की। पाइप के अंदर बैटरी और चार्जिंग से जुड़े उपकरण फिट किए हैं।

दोनों भाइयों के मुताबिक, बाइक कुछ ही घंटों में चार्ज हो जाती है और करीब 150 किलोमीटर चलती है। इसे चलाने का खर्च करीब 5 रुपए में 150 किलोमीटर है। बाइक की अधिकतम रफ्तार करीब 65 किलोमीटर प्रति घंटा है। आशीष और अक्षय इंजीनियरिंग के छात्र हैं। इससे पहले दोनों ने एक इलेक्ट्रिक साइकिल भी बनाई थी। कॉलेज आने-जाने में रोजाना करीब 100 रुपए खर्च होते थे। खर्च बचाने के लिए उन्होंने ऐसी साइकिल तैयार की, जो करीब 10 रुपए के खर्च में उन्हें कॉलेज लाने-ले जाने का काम करती थी।

> मेरठ में भक्त 23 फीट लंबी कांवड़ लेकर चल रहे हैं। भव्य कांवड़ राहगीरों और श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। कई लोग इसकी तस्वीरें और वीडियो मोबाइल में कैद करते नजर आए।

फास्ट न्यूज

'मेरी बन जाओ, नहीं तो नौकरी से निकलवा दूंगा'

गोरखपुर। गोरखपुर में एक प्राइवेट हॉस्पिटल के नर्स के साथ छेड़खानी का मामला सामने आया है। आरोप है कि साथ में काम करने वाला युवक नाइट ड्यूटी में उसका हाथ पकड़ता है। कहता है कि मेरी हो जाओ खुश रखूंगा। पीड़िता के मुताबिक, विरोध करने पर आरोपी उसे नौकरी से निकलवाने की धमकी देता है। इस मामले में पीड़िता की शिकायत पर एडीजी जोन से शिकायत किया।

अतीक के बाद बेटों के पीछे लोगों का हुजूम

प्रयागराज। अतीक अहमद के दोनों बेटों उमर और अली को पैरोल मिलने के बाद जब वे प्रयागराज पहुंचे तो उनके साथ कई गाड़ियों का काफिला दिखाई दिया। एक तरफ लखनऊ जेल से उमर और दूसरी तरफ झांसी जेल से अली को पुलिस सुरक्षा के बीच प्रयागराज लाया गया। इस दौरान आते समय रास्ते में कई प्राइवेट गाड़ियां पुलिस सुरक्षा बल के पीछे चल रही थी जिसमें अधिकांश काली गाड़ियां थी। दोनों के पुलिस वाहनों के पीछे प्रयागराज की सीमा में प्रवेश करते-करते निजी गाड़ियों का काफिला लगातार बढ़ता गया। कसारी-मसारी पहुंचने तक दोनों के काफिले में 50 से अधिक निजी गाड़ियां दिखाई दीं।

दलदल बना मैदान, फिर भी उमड़े छात्र

प्रयागराज। प्रयागराज के केपी ग्राउंड में 8 मार्च को राहुल गांधी का 'छात्र संवाद' कार्यक्रम तमाम अड़चनों के बीच हुआ। पहले अनुमति मिली, फिर रद्द कर दी गई। दोबारा अनुमति मिलने के बाद मैदान में सीवर का पानी छोड़ दिया गया, जिससे पूरा मैदान दलदल में बदल गया। बारिश ने मुश्किल और बढ़ा दी। इसके बावजूद कार्यक्रम शुरू होते ही छात्रों का सैलाब उमड़ पड़ा। दावा है कि मैदान और आसपास की सड़कों पर एक लाख से ज्यादा लोग जुटे।

संदिग्ध परिस्थितियों में किसान की मौत, कोहराम

तमसा संकेत, संवाददाता

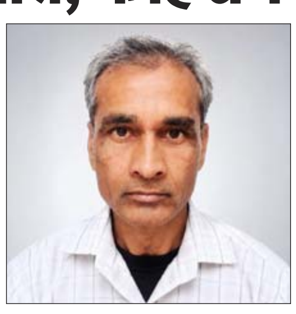

सूरतगंज (बाराबंकी)। थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब 45 वर्षीय किसान राजकुमार वर्मा संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे अपनी बाइक के पास अचेत अवस्था में मिले। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। किसान की अचानक हुई मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के कनिकापुर गांव निवासी राजकुमार वर्मा शनिवार शाम करीब साढ़ेमऊ बाजार जाने की बात कहकर बाइक से घर से निकले थे। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता होने लगी। परिवार के लोग उनकी तलाश में जुटे ही थे कि देर रात ग्रामीणों ने गांव से करीब 100 मीटर दूर सड़क किनारे एक व्यक्ति को बाइक के पास अचेत अवस्था में पड़े देखा। पास जाकर पहचान करने पर उसकी पहचान राजकुमार वर्मा के रूप में हुई। ग्रामीणों ने तत्काल घटना की जानकारी राजकुमार के परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए। राजकुमार को अचेत हालत में देखकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मामले की सूचना पुलिस को भी दी गई। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से राजकुमार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूरतगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

विक्रेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज निर्धारित मूल्य 266.50 रुपये के बजाय 400 और 550 रुपये प्रति बोरी तक में यूरिया बेचने की शिकायत

यूरिया की कालाबाजारी : अधिक कीमत पर खाद बेचने का आरोप

कृषि विभाग की जांच में आरोपों की पुष्टि

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। क्षेत्र में यूरिया खाद की अधिक कीमत पर बिक्री और कथित कालाबाजारी का मामला सामने आया है। किसानों की शिकायत पर कृषि विभाग द्वारा कराई गई जांच में निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर यूरिया की बिक्री किए जाने की पुष्टि होने के बाद जिला कृषि अधिकारी की तहरीर पर थाना मोहम्मदपुर खाला पुलिस ने मेसर्स मौर्या बीज भंडार, छेदा के विक्रेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिला कृषि अधिकारी बाराबंकी की ओर से थाना प्रभारी निरीक्षक, कोतवाली मोहम्मदपुर खाला को भेजी गई तहरीर के अनुसार 6 अगस्त 2026 को शिवम सिंह निवासी टांडपुर, मजरे तुरकौली, विकासखंड सूरतगंज ने शिकायत की थी कि मेसर्स मौर्या बीज भंडार छेदा द्वारा उन्हें यूरिया खाद निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर बेची गई है। शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच सहायक विकास अधिकारी (कृषि) सूरतगंज सूर्य प्रकाश पाल को सौंपी गई। उन्होंने 7 अगस्त को संबंधित बिक्री केंद्र पर पहुंचकर जांच की और शिकायतकर्ता से दूरभाष पर बातचीत की। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने 6 अगस्त को उक्त फर्म के विक्रेता शक्तिमान मौर्या से 10 बोरी यूरिया खरीदी थी, जिसके लिए उससे कुल 4,000 रुपये यानी 400 रुपये प्रति बोरी की दर से भुगतान कराया गया। जांच के दौरान विक्रेता की ओर से अलग जानकारी दिए जाने की बात भी सामने आई।

> विक्रेता ने बताया कि शिवम सिंह को 15 बोरी यूरिया 270 रुपये प्रति बोरी की दर से दी गई थी। इनमें से केवल पांच बोरी की बिक्री पीओएस मशीन से दर्ज कराई गई, जबकि शेष 10 बोरी के लिए अंगूठा लगाने को कहा गया था, लेकिन संबंधित व्यक्ति नहीं आया। जांच में यह भी बताया गया कि उक्त बिक्री शुभम सिंह के नाम से दर्ज हुई थी।

अन्य किसानों ने भी अधिक कीमत पर खाद मिलने की बात कही

जांच के दौरान बिक्री रजिस्टर में दर्ज अन्य किसानों से भी दूरभाष पर जानकारी ली गई। जांच आख्या के अनुसार 4 अगस्त को तीन बोरी यूरिया खरीदने वाले किसान सुफेल ने बताया कि उन्हें यूरिया 550 रुपये प्रति बोरी की दर से दी गई थी। इसी प्रकार 6 अगस्त को दो बोरी यूरिया खरीदने वाले हरिश्चन्द्र ने भी 550 रुपये प्रति बोरी भुगतान किए जाने की बात बताई। वहीं निजामुद्दीन से बातचीत में उन्होंने भी दो बोरी यूरिया 550 रुपये प्रति बोरी की दर से मिलने की जानकारी दी।कृषि विभाग की जांच में बिक्री केंद्र पर 237 बोरी यूरिया उपलब्ध पाई गई, जिसका पीओएस मशीन से मिलान किया गया। जांच आख्या के मुताबिक उपलब्ध स्टॉक का मिलान सही पाया गया। हालांकि, किसानों द्वारा बताई गई बिक्री दर और विक्रेता के बयान के आधार पर निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर यूरिया बिक्री किए जाने की पुष्टि जांच में की गई।

जिला कृषि अधिकारी की तहरीर में बताया गया है कि यूरिया का निर्धारित मूल्य 266.50 रुपये प्रति बोरी है। इसके बावजूद विक्रेता द्वारा 270 रुपये, 400 रुपये तथा अन्य किसानों के अनुसार 550 रुपये प्रति बोरी तक में यूरिया बेचे जाने की बात सामने आई।कृषि विभाग ने जांच में अधिक दर पर उर्वरक की बिक्री को उर्वरक (अकार्बनिक, कार्बनिक या मिश्रित) (नियंत्रण) आदेश, 1985 का उल्लंघन बताया है। तहरीर में कहा गया है कि इस प्रकार उर्वरक की कालाबाजारी किया जाना आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 के तहत दंडनीय अपराध है।

मुजफ्फरनगर में पत्नी को लेने ससुराल आया, प्रेमी ने साथ जाने से रोका था

प्रेमिका के पति की 17 चापड़ मारकर हत्या की

तमसा संकेत, एजेंसी

बुढ़ाना, मुजफ्फरनगर। मुजफ्फर-नगर में शनिवार सुबह 7 बजे एक प्रेमी ने प्रेमिका के पति की चापड़ से काटकर हत्या कर दी। आरोपी ने 16 सेकेंड में युवक पर 17 बार चापड़ से हमला किया। इसके बाद मौके से भाग निकला। आसपास के लोगों ने पत्नी को घटना की जानकारी दी।

पत्नी लोगों की मदद से पति को अस्पताल लेकर पहुंची। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे मेरठ रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना बुढ़ाना इलाके की है। पुलिस की जांच में सामने आया कि पति पत्नी को लेने ससुराल आया था।

प्रेमिका का पति मेरठ का रहने वाला था, जो 4 अगस्त को बुढ़ाना आया हुआ था। वह सूरत में रहकर नौकरी करता था। वहीं अपनी पत्नी को भी ले जाने वाला था। लेकिन इससे पहले पत्नी ने ये बात अपने प्रेमी को बता दी। इसी बात से गुस्साए प्रेमी ने युवक की हत्या कर दी।

हत्या की घटना से जुड़ा एक सीसीटीवी भी सामने आया है। इसमें महिला का प्रेमी गली में हाथ में चापड़ लेकर घूमता दिख रहा है। उसके पीछे पति भी आता दिखाई दे रहा है। अचानक प्रेमी रुकता है। दौड़ते हुए पति के पास जाता है। दोनों के बीच मारपीट शुरू हो जाती है। इसी दौरान पति नाली में गिर जाता है। उसके गिरते ही प्रेमी पति पर लगातार चापड़ से वार करने लगता है। बुढ़ाना कस्बा इंचार्ज ललित कसाना ने बताया कि जांच में हत्या की वजह अवैध संबंध निकलकर सामने आई है। पति और प्रेमी में इसी बात को लेकर विवाद हुआ था।

तालिब मृतक | मरने से पहले का वीडियो

शादी के बाद हुआ पत्नी का अफेयर

मेरठ के रहने वाले तालिब की शादी 7 साल पहले बुढ़ाना की नई बस्ती में रहने वाली मीना से हुई थी। दोनों के दो बच्चे भी हैं। शादी के बाद वह बुढ़ाना में किराए का कमरा लेकर पत्नी के साथ रहने लगा था। वह सूरत में नौकरी करता था। बीच-बीच में बुढ़ाना आता-जाता रहता था।

इसी बीच मीना का नई बस्ती में रहने वाले हाशिम से अफेयर हो गया। हाशिम का मीना के घर आना-जाना लगा रहता था। इस बात की जानकारी तालिब को लग गई। इसके बाद से तालिब और हाशिम में कई बार झगड़े हुए।

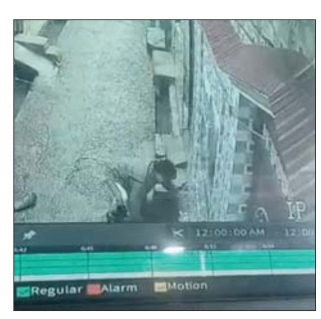

प्रेमिका का पति जैसे ही नाली में गिरा। प्रेमी उस पर ताबड़तोड़ चापड़ से हमला करने लगा।

तालिब ने बुढ़ाना में रहना शुरू किया

तालिब भी ज्यादा समय बुढ़ाना में ही रहना शुरू कर दिया। वह कभी-कभी सूरत जाया करता था। 4 अगस्त को जब तालिब बुढ़ाना आया तो उसने पत्नी मीना को भी सूरत चलने के लिए बोला। यह बात मीना ने अपने प्रेमी को बता दी। प्रेमिका के मुंह से जाने की बात सुनकर हाशिम गुस्सा गया। वह नहीं चाहता था कि मीना उसे छोड़कर सूरत जाए। इसी बात को लेकर हाशिम और तालिब का आज शनिवार सुबह 8 बजे झगड़ा होने लगा। इसके बाद हाशिम ने तालिब की हत्या कर दी।

पत्नी व दो बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

सूरतगंज से घरेलू सामान लेकर घर लौट रहा था रिंकू

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मद-पुर खाला थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। कुरेलवा-बरैनामऊ मंझारी मार्ग पर गांव से करीब 500 मीटर पहले बाइक के सामने अचानक जंगली जानवर आ जाने से बाइक उससे टकरा गई। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे उपचार के लिए लखनऊ के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक का शव गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार मोहम्म-दपुर खाला थाना क्षेत्र के बैरानामऊ मंझारी गांव निवासी रामबक्स का 35 वर्षीय बेटा रिंकू खेती-किसानी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। शनिवार की देर रात वह सूरतगंज कस्बे से घरेलू उपयोग का सामान खरीदकर बाइक से अपने गांव वापस लौट रहा था।बताया गया कि रिंकू जैसे ही कुरेलवा-बैरानामऊ मंझारी मार्ग पर गांव से करीब पांच सौ मीटर पहले पहुंचा, तभी अचानक सड़क पर एक जंगली जानवर आ गया। रिंकू कुछ समझ पाता, इससे पहले ही बाइक की जंगली जानवर से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद वह बाइक समेत सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों और ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पाकर परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। गंभीर रूप से घायल रिंकू को परिजन तत्काल बेहतर उपचार के लिए लखनऊ के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे।

वारदात : पहले बांके से हमला किया था, चचेरे भाइयों ने हत्या का बदला लिया

ठेकेदार को ऑटो से खींचकर तलवार से काटा

ब्रह्मभोज में इसी जगह पर शिवकुमार त्रिपाठी बैठकर खाना खा रहे थे, तभी हमलावरों ने हमला कर दिया।

शिवकुमार त्रिपाठी, मृतक

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में बिजली विभाग के ठेकेदार की दो सगे भाइयों ने शनिवार शाम 6 बजे हत्या कर दी। ठेकेदार गांव में एक तेरहवीं में खाना खा रहे थे, तभी आरोपी ने पीछे से बांके से हमला कर दिया।

ठेकेदार लहूलुहान होकर वहीं गिर गए। ग्रामीण उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहे थे। तभी रास्ते में हमलावरों ने उन्हें दोबारा घेर लिया। ऑटो से खींचकर करीब 200 मीटर दूर ले गए। इसके बाद तलवार से काटकर मार डाला। पुलिस की जांच में सामने आया कि एक साल पहले आरोपियों के चचेरे भाई की हत्या कर दी गई थी। इसी का बदला लेने के लिए उन्होंने ठेकेदार को मार डाला। घटना सिकरीगंज के अहिरौली गांव की है। दोनों आरोपियों के पास हथियार थे। गांव वालों के रोकने के बावजूद राहुल और रोहित ने शिवकुमार को ऑटो से बाहर खींच लिया। दोनों शिवकुमार को 200 मीटर दूर खींचकर ले गए। वहां तलवार से काट कर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि हत्या के पीछे पुरानी रंजिश हो सकती है। साल 2024 में राहुल चौधरी के चचेरे भाई आदेश चौधरी की हत्या हुई थी। इस मामले में गांव में रहने वाले शिवकुमार त्रिपाठी के परिवार के कुछ लोगों के आरोपी बनाया गया था। दोनों भाइयों ने अपने भाई की हत्या का बदला लेने के लिए शिवकुमार को मार डाला।

बिजली विभाग में ठेकेदारी करते थे शिवकुमार

अहिरौली गांव के रहने वाले शिवकुमार त्रिपाठी बिजली विभाग में ठेकेदार थे। उनका परिवार गांव के साथ ही गोरखपुर शहर में भी रहता है। उनके बेटे आदित्य त्रिपाठी गोरखपुर सिविल कोर्ट में अधिवक्ता हैं। शिवकुमार शनिवार को गांव में ही छेदी चौधरी के ब्रह्मभोज में शामिल होने गए थे। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि वह नीचे बैठकर खाना खा रहे थे। तभी गांव के ही राहुल चौधरी पुत्र विनोद ने पीछे से बांके से उन पर हमला कर दिया। हमले में शिवकुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

> सिकरीगंज थानाध्यक्ष अंजुल चतुर्वेदी ने बताया एक व्यक्ति की हत्या की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर मामले की गहन छानबीन कर रही है। घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे क कार्रवाई की जाएगी।

अवैध कब्जे मामले में लेखपाल की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

कई गाटा संख्याओं में सरकारी भूमि पर कब्जा कर फसल बोने का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। थाना मोहम्मदपुर खाला क्षेत्र के ग्राम गोंडा में सीलिंग की सरकारी भूमि पर कथित रूप से अवैध कब्जा कर फसल बोए जाने के मामले में राजस्व विभाग की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है। मामले में राजस्व लेखपाल की शिकायत पर पुलिस ने संबंधित आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार रवि प्रकाश राजस्व लेखपाल, ग्राम गोंडा, परगना भिटौली, तहसील रामनगर, जनपद बाराबंकी ने बताया कि ग्राम गोंडा स्थित सीलिंग भूमि के विभिन्न गाटा नंबरों पर कई ग्रामवासियों द्वारा कथित रूप से अवैध कब्जा कर फसल बो ली गई है। राजस्व विभाग की ओर से ऐसे कब्जों का विवरण भी तहरीर में दर्ज कराया गया है।तहरीर के मुताबिक गाटा संख्या 105 में लाल मोहम्मद पुत्र मैकू, सिराज अहमद पुत्र अब्दुल गनी, रफी अहमद पुत्र अब्दुल गनी और नबी अहमद पुत्र अब्दुल गनी के नाम बताए गए हैं। इसी प्रकार गाटा संख्या 219 में गुरुबचन पुत्र छोटेलाल, 257 में सुनील पुत्र कन्धई एवं सुशील पुत्र कन्धई तथा 282 में शत्रोहन पुत्र मेड़ीलाल, सुरेश पुत्र मेड़ीलाल और कल्लू पुत्र मेड़ीलाल के कब्जे का उल्लेख किया गया है। वहीं गाटा संख्या 580 में प्रदीप पुत्र सियाराम तथा 581 और 582 में संदीप पुत्र सियाराम के नाम तहरीर में दर्ज हैं। गाटा संख्या 618 में सुशील पुत्र राजाराम, पाले पुत्र मैकू और विजयी पुत्र मैकू के अवैध कब्जे का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा गाटा संख्या 467 में देशराज पुत्र होली, बुधराम पुत्र होली, दिनेश पुत्र होली, विनोद पुत्र कृष्णपाल, शैकुला पत्नी मोहर्रम अली, सुरेश पुत्र दुर्गा, मेराज पुत्र आलमगीर, उमर पुत्र मोहड्यादीन, मुजीब पुत्र बहाव, इद्रीस पुत्र कासिम और नौमीलाल पुत्र मंशाराम के नाम बताए गए हैं। गाटा संख्या 468 में वीरेन्द्र पुत्र ननकऊ के कब्जे का उल्लेख किया गया है।

1 नवंबर से नई एसएमसी का गठन, अंबेडकरनगर के 1,611 सरकारी स्कूलों में बदलेगी निगरानी व्यवस्था

अब अभिभावक तय करेंगे स्कूल की प्राथमिकताएं

तैयारी

- स्कूल की आधारभूत सुविधाओं और विकास कार्यों की स्थिति भी देखी जाएगी। अनुदान राशि का सही इस्तेमाल हो रहा है या नहीं, इस पर भी समिति नजर रखेगी।

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। सरकारी स्कूलों की व्यवस्था में अभिभावकों की भागीदारी बढ़ाने की तैयारी है। जिले के परिषदीय और पीएमश्री विद्यालयों में एक नवंबर से नई विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) के गठन की प्रक्रिया शुरू होगी। समिति स्कूल की जरूरतों, विकास कार्यों और उपलब्ध संसाधनों के उपयोग पर नजर रखेगी। जिले में 1,591 परिषदीय और 20 पीएमश्री विद्यालय हैं। सभी विद्यालयों में नई एसएमसी गठित की जाएगी। समिति में 15 सदस्य होंगे। इनमें 11 सदस्य विद्यार्थी-अभिभावक होंगे। महिलाओं की 50 प्रतिशत भागीदारी अनिवार्य रहेगी।

बीएसए डॉ. पूनम मिश्रा के अनुसार, एक नवंबर से खुली बैठक में सर्वसम्मति के आधार पर नई एसएमसी का चयन किया जाएगा। उनका कहना है कि समिति की सक्रिय भागीदारी से नामांकन, शिक्षकों की उपस्थिति, मध्याह्न भोजन और विद्यालय की व्यवस्थाओं में सुधार को गति मिलेगी।

हर कक्षा की आवाज पहुंचेगी समिति तक

नई एसएमसी में प्रत्येक कक्षा का प्रतिनिधित्व होगा। अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चयन अभिभावकों में से किया जाएगा। इनमें एक पद महिला के लिए आरक्षित रहेगा। एएनएम और लेखपाल भी समिति के सदस्य होंगे। वहीं प्रधानाध्यापक समिति के सचिव की भूमिका निभाएंगे।

स्कूल के खर्च पर भी रहेगी अभिभावकों की नजर

विद्यालयों में एसएमसी के नाम से संयुक्त बचत खाते खोले जाएंगे। खाते का संचालन अध्यक्ष और प्रधानाध्यापक के संयुक्त हस्ताक्षर से होगा। समग्र शिक्षा के तहत मिलने वाली अनुदान राशि इन्हीं खातों में भेजी जाएगी। इस राशि से स्वीकृत रखरखाव, मरम्मत और अन्य जरूरी कार्य कराए जा सकेंगे।

> नई समिति की भूमिका केवल गठन और बैठकों तक सीमित नहीं रहेगी। बच्चों का नामांकन, नियमित उपस्थिति, शिक्षकों की मौजूदगी और मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता भी उसकी निगरानी में रहेगी।

शिवबाबा धाम में सावन के दुसरे सोमवार की तैयारी तेज

एसडीएम और सीओ सिटी ने किया मंदिर परिसर का निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सावन के दुसरे सोमवार को शिवबाबा धाम में श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देशन में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर तैयारियों की समीक्षा की गई।

इसी क्रम में एसडीएम और सीओ सिटी ने संयुक्त रूप से शिवबाबा धाम परिसर और आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी कैमरों, पार्किंग व्यवस्था और श्रद्धालुओं के ठहराव स्थल समेत अन्य व्यवस्थाएं देखी गईं। अधिकारियों ने मौके पर सुरक्षा इंतजामों की स्थिति की समीक्षा की।

अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर जरूरी निर्देश दिए। किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरा करने को कहा गया। पुलिस के अनुसार, सावन के तीसरे सोमवार को शिवबाबा धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती और आवश्यक सुरक्षा प्रबंध किए जा रहे हैं।

फास्ट न्यूज

बसखारी में खुला नया पेट्रोल पंप

अंबेडकरनगर। बसखारी बाजार में टांडा रोड पर रविवार को श्री हरि फ्यूल स्टेशन का शुभारंभ हुआ। प्रतिष्ठान का उद्घाटन विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) डॉ. हरिओम पांडेय ने किया।

शुभारंभ कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख संजय सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष जमुना प्रसाद चतुर्वेदी, पूर्व जिलाध्यक्ष रमाशंकर सिंह, जिला उपाध्यक्ष मनोज मिश्रा और वरिष्ठ भाजपा नेता राम पलटन मिश्रा मौजूद रहे।

केसरिया पताका फहराकर रवाना हुई महिला कांवर यात्रा

अंबेडकरनगर। जलालपुर क्षेत्र के नगपुर से रविवार को दुख हरण महादेव मंदिर महिला कांवर यात्रा अयोध्या के लिए रवाना हुई। यात्रा की अध्यक्षता सुशीला देवी ने की। नगर अध्यक्ष संदीप अग्रहरि और विकास कुमार निषाद ने संयुक्त रूप से केसरिया पताका फहराकर यात्रा को रवाना किया।

कांवर यात्रा के दौरान 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयकारे गूंजते रहे। शिवालय से निकली कांवरियों की टोली के साथ भक्ति संगीत भी चलता रहा। डीजे की धुन पर भोले-पार्वती की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही।

उमर के पीछे चलीं 28 गाड़ियों के ड्राइवरों पर एफआईआर

प्रयागराज । प्रयागराज में पैरोल पर लाए जाने के दौरान माफिया अतीक अहमद के बेटे उमर के पीछे चल रहीं 28 गाड़ियों के ड्राइवरों पर एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि नवाबगंज टोल प्लाजा पर ये 28 गाड़ियां टोल बैरियर तोड़कर बिना शुल्क दिए निकल गईं। रोकने की कोशिश पर कर्मचारियों से मारपीट की और उन्हें कुचलने की भी कोशिश की।

9 रन देकर अनीश ने झटके चार विकेट 21 रन से जीती डॉक्टर्स इलेवन

तमसा संकेत, संवाददाता

- सड़क सुरक्षा सद्भावना कप में टीचर्स इलेवन की पारी 95 रन पर सिमटी, आमोद रहे प्लेयर ऑफ द मैच

अंबेडकरनगर। सड़क सुरक्षा सद्भावना कप में रविवार को डॉक्टर्स इलेवन ने बेसिक टीचर्स इलेवन अंबेडकरनगर को 21 रन से हरा दिया। जेएसआर क्रिकेट एकेडमी, अकबरपुर के मैदान पर खेले गए मुकाबले में डॉक्टरों ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 116 रन बनाए। जवाब में टीचर्स इलेवन 95 रन पर ऑलआउट हो गई।

डॉक्टर्स इलेवन के कप्तान डॉ. जीडी वर्मा ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। टीम ने 16 ओवर में नौ विकेट पर 116 रन बनाए।

डॉ. अभिनीत यादव ने 26 रन की उपयोगी पारी खेली। डॉ. अनीश और अभिषेक ने 15-15 रन बनाए, जबकि आमोद ने 10 रन का योगदान दिया।

टीचर्स इलेवन की ओर से कमलेश और शुभम ने तीन-तीन विकेट लिए। भारत को दो सफलता मिली। 117 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीचर्स इलेवन ने तेज शुरुआत की। सात ओवर में टीम का स्कोर एक विकेट पर 55 रन था। इसके बाद डॉ. आमोद ने एक ही ओवर में दो विकेट लेकर मुकाबले में वापसी करा दी।

इसके बाद डॉ. अनीश ने गेंद से मोर्चा संभाला। उनकी धारदार गेंदबाजी के सामने टीचर्स इलेवन का मध्यक्रम लड़खड़ा गया।

अनीश ने 3.3 ओवर में केवल नौ रन देकर चार विकेट चटकाए। आमोद ने दो विकेट लिए। पूरी टीम 15.3 ओवर में 95 रन पर पवेलियन लौट गई।

मेडिकल कॉलेज में 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत

हाथों में तिरंगा लेकर परिसर में निकले एमबीबीएस

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सद्दरपुर स्थित महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज में रविवार को 'हर घर तिरंगा' अभियान का आगाज हुआ। अकादमिक ब्लॉक से शुरू हुई प्रभात फेरी में मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। हाथों में तिरंगा लेकर निकले विद्यार्थियों ने पूरे परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान देशभक्ति के नारों से मेडिकल कॉलेज परिसर गूंजता रहा। प्रभात फेरी का आयोजन प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश यादव के नेतृत्व में किया गया। कल्चरल कमेटी के सचिव डॉ. पंकज समेत कॉलेज के छात्र-छात्राएं और अन्य सदस्य इसमें शामिल हुए।

अभियान के तहत विद्यार्थियों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया।

प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश यादव ने कहा, "हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को मजबूत करना है। राष्ट्रीय एकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में ऐसे कार्यक्रम महत्वपूर्ण हैं। सभी लोग अभियान में भाग लें और अपने घरों पर तिरंगा फहराएं।"

प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की सहभागिता रही। तिरंगा लेकर परिसर में निकली टोली ने अभियान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों में खासा उत्साह दिखाई दिया।

ईंट भट्ठा संचालकों को जीएसटी अनुपालन का पाठ

अकबरपुर स्थित राज्य कर कार्यालय में संवाद कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर स्थित वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) राज्य कर कार्यालय में शुक्रवार को ईंट भट्ठा संचालकों और व्यापारियों के साथ संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का आयोजन कार्यालय उपायुक्त, राज्य कर, अंबेडकरनगर के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ईंट भट्ठा कारोबार से जुड़े जीएसटी प्रावधानों की जानकारी देना, कर अनुपालन को बढ़ावा देना और कारोबारियों की व्यावहारिक समस्याओं पर चर्चा करना रहा।

अधिकारियों ने ईंट भट्ठा संचालकों को जीएसटी के तहत समय से पंजीकरण कराने की जानकारी दी। कर चालान सही तरीके से जारी करने, ई-वे बिल के प्रावधानों का पालन करने और समय से जीएसटी रिटर्न दाखिल करने पर जोर दिया गया। इसके अलावा कर का नियमित भुगतान, लेखा पुस्तकों और अभिलेखों का उचित रखरखाव करने की जानकारी दी गई। बैठक में अपंजीकृत व्यक्तियों से खरीद, परिवहन से जुड़े दस्तावेज, इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के सही दावे और विभागीय सत्यापन के दौरान जरूरी अभिलेख उपलब्ध कराने के संबंध में भी जानकारी दी गई। ईंट भट्ठा कारोबार से जुड़ी विभिन्न व्यावहारिक समस्याओं और सुझावों पर भी अधिकारियों ने संचालकों के साथ चर्चा की। विभाग ने संचालकों से पारदर्शिता के साथ कारोबार करने और निर्धारित जीएसटी प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने की अपील की।

पांच साल से टूटी सीएचसी की बाउंड्री

बसखारी सीएचसी में जलनिकासी की व्यवस्था भी बदहाल, बारिश में परिसर में भरता है पानी

घेराव

- महिला अस्पताल के शौचालय में पानी की कमी
- नल का पानी बन रहा जलभराव की वजह
- जलभराव से फिसलकर गिर रहे मरीज

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बसखारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) की व्यवस्थाएं सवालों के घेरे में हैं। अस्पताल की बाउंड्री वॉल करीब पांच वर्षों से टूटी पड़ी है। वहीं महिला अस्पताल के शौचालय में पानी की व्यवस्था नहीं है। परिसर में जलनिकासी की उचित व्यवस्था न होने से बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति बन जाती है।

महिला अस्पताल में बने शौचालय में इंग्लिश सीट लगी है, लेकिन पानी की व्यवस्था नहीं है। इससे मरीजों और उनके तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

डॉक्टर आवास के सामने लगे नल के पानी की निकासी के लिए भी उचित व्यवस्था नहीं है। बारिश के दिनों में पानी अस्पताल परिसर में जमा हो जाता है। इससे मरीजों और अन्य लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, अस्पताल परिसर से निकलने वाला पानी बगल स्थित बंधु निवास तक पहुंच जाता है। स्थानीय निवासी अखिलेश वर्मा, विमल, पवन और नीतू समेत अन्य लोगों ने जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त कराने की जरूरत बताई।

स्थानीय लोगों और मरीजों के अनुसार, परिसर में पानी भरने से कई बार लोग फिसलकर गिर जाते हैं। इससे चोट लगने की स्थिति भी बनती है।

पांच साल से नहीं बनी बाउंड्री

जानकारी के अनुसार, सीएचसी की बाउंड्री वॉल पिछले पांच वर्षों से क्षतिग्रस्त है। इस अवधि में अस्पताल के तीन प्रभारी अधिकारी बदल चुके हैं। इसके बावजूद बाउंड्री की मरम्मत नहीं हो सकी। टूटी बाउंड्री के कारण अस्पताल परिसर की सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

> समस्या के संबंध में डॉ. अजय कुमार से संपर्क करने का प्रयास किया गया। वह अस्पताल में मौजूद नहीं थे। फोन पर संपर्क करने का प्रयास भी किया गया, लेकिन उनका मोबाइल आउट ऑफ रीच बताया गया।

बरामदे में फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

मायके ने उठाए सवाल मोहिउद्दीनपुर में 29 वर्षीय अंतिमा की संदिग्ध मौत ससुराल ने आत्महत्या बताया, पुलिस जांच में जुटी

घटना

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के मोहिउद्दीनपुर में शनिवार सुबह विवाहिता की संदिग्ध मौत से मामला उलझ गया। 29 वर्षीय अंतिमा जायसवाल का शव घर के बरामदे में फंदे से लटका मिला। ससुराल पक्ष ने इसे आत्महत्या बताया है। वहीं मायके वालों ने प्रताड़ना का आरोप लगाकर मौत की जांच की मांग की है। ससुर विश्राम के मुताबिक सुबह करीब चार बजे उनकी नजर बरामदे में फंदे से लटकी अंतिमा पर पड़ी। उस समय परिवार के

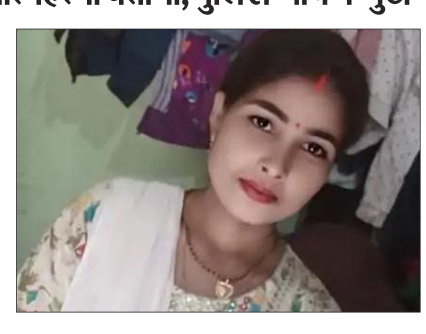

लोग सो रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। भाई हरिनाथ के मुताबिक घटना से एक दिन पहले रात करीब 10 बजे अंतिमा ने मां रामलली से फोन पर बात की थी। बातचीत में उसने पैर में सूजन और ससुराल में ज्यादा काम कराए जाने की बात कही थी। भाई का आरोप है कि मायके आने के बाद भी उसे वापस ससुराल बुला लिया जाता था। परिजनों के अनुसार अंतिमा और ससुराल पक्ष के बीच पहले से विवाद चल रहा था। हालांकि, मौत की वजह को लेकर अभी कोई निष्कर्ष सामने नहीं आया है। अंतिमा की शादी 19 जून 2018 को मोहिउद्दीनपुर निवासी विपिन जायसवाल से हुई थी। वह भीटी थाना क्षेत्र के रिउना गांव की रहने वाली थीं।

पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मामले की जांच की जा रही है। मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के तथ्यों के आधार पर स्पष्ट होगी।

मोटर का तार जोड़ते ही दौड़ा करंट, युवक की मौत

पिण्डोरिया में अकेले तार जोड़ रहा था अमित

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। कटका थाना क्षेत्र के पिण्डोरिया गांव में विद्युत मोटर का तार जोड़ना 25 वर्षीय अमित पांडेय को भारी पड़ गया। शनिवार शाम तार जोड़ते समय अचानक करंट की चपेट में आने से वह अचेत होकर गिर पड़े। हादसे के करीब एक घंटे बाद ग्रामीणों की नजर उन पर पड़ी। परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

अमित गौसपुर निवासी सत्य नारायण पांडेय के इकलौते पुत्र थे। बताया गया कि शनिवार शाम वह घर के पास लगी विद्युत मोटर का तार जोड़ रहे थे। इसी दौरान करंट प्रवाहित हो गया। उस समय आसपास कोई मौजूद नहीं था।

काफी देर तक अमित के नहीं दिखने पर ग्रामीणों ने आसपास

देखा। करीब एक घंटे बाद वह अचेत अवस्था में मिले। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें तत्काल चिकित्सालय ले गए। जांच के बाद डॉक्टरों ने अमित को मृत घोषित कर दिया।

हादसे की सूचना मिलते ही कटका पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी अक्षय पटेल ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। रविवार को चहोड़ा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

अपराध : जैतपुर क्षेत्र के काजू उपाध्याय हत्याकांड का मामला, पोस्टमार्टम में मिली थीं आठ चोटें

हत्या के आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

- अगले दिन खड़ंजे पर मिला था शव
- अपराध की गंभीरता को देखते हुए नहीं मिली राहत
- अदालत ने अपराध की गंभीरता को माना आधार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट चिंता राम की अदालत ने हत्या के आरोपी अशोक चौबे की जमानत अर्जी खारिज कर दी। अदालत ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को जमानत पर रिहा करने का पर्याप्त आधार नहीं माना। मामला जैतपुर थाना क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार, चौबाना निवासी अविनाश उपाध्याय ने पुलिस को दी तहरीर

> अदालत ने मामले के तथ्यों और अपराध की प्रकृति को देखते हुए कहा कि प्रकरण हत्या जैसे गंभीर अपराध से जुड़ा है। ऐसे में आरोपी को जमानत पर रिहा करने का पर्याप्त आधार नहीं है। इसके बाद अदालत ने अशोक चौबे की जमानत अर्जी निरस्त कर दी।

में बताया था कि 26 जनवरी 2025 की शाम उनके चचेरे भाई काजू उपाध्याय उर्फ आदित्य उपाध्याय घर से खेत की ओर गए थे। इसके बाद वह वापस नहीं लौटे। अगले दिन काजू उपाध्याय का शव लैतपुर गांव में चौबे मिश्र की बाग के पास खड़ंजे पर मिला था। तहरीर के मुताबिक, घटना से पहले मृतक की अशोक चौबे से शराब पीने को लेकर कहासुनी हुई थी। इसके आधार पर पुलिस ने हत्या और आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

पोस्टमार्टम में सामने आईं आठ चोटें

अदालत के समक्ष पेश रिकॉर्ड के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक के शरीर पर आठ चोटें पाई गई थीं। चिकित्सक ने मृत्यु का कारण चोटों से हुआ रक्तस्राव और सदमा बताया था। अभियोजन के अनुसार, आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त छुरी की बरामदगी भी दर्शाई गई है। विवेचना पूरी होने के बाद पुलिस ने आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया है।

राजबली यादव की पुण्यतिथि पर याद किया स्वतंत्रता संग्राम का संघर्ष

यादव महासभा ने आयोजित किया श्रद्धांजलि कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और पूर्व विधायक राजबली यादव की पुण्यतिथि पर अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा की ओर से श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान को याद किया।

ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, राजबली यादव का जन्म 7 नवंबर 1906 को तत्कालीन फैजाबाद जिले के अरई गांव में हुआ था। किशोरावस्था में ही वह स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ गए थे।

वर्ष 1930 से 1942 के बीच उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई। इस दौरान उन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा।

1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान राजेसुल्तानपुर थाने पर अंग्रेजी शासन के यूनियन जैक को हटाकर तिरंगा फहराने की घटना से

भी राजबली यादव का नाम जुड़ा है। उनके नेतृत्व में क्षेत्र के कई स्वतंत्रता सेनानियों ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ संघर्ष किया था।

स्वतंत्रता के बाद राजबली यादव ने गरीबों, किसानों, मजदूरों और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए काम किया। उन्होंने लोक रंगमंच और जनगीतों के माध्यम से भी जनजागरण किया। यादव महासभा के जिलाध्यक्ष शैलेश कुमार यादव ने कहा कि देश की आजादी स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान का परिणाम है। राजबली यादव का जीवन संघर्ष, देशभक्ति और जनसेवा की प्रेरणा देता है।

सम्पादकीय

परिसीमन बिल के आसार

शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करने के बाद महिला आरक्षण से जुड़े परिसीमन विधेयक का समर्थन करने की घोषणा एक ओर जहां यह बताती है कि दोनों पुराने सहयोगी दल करीब आ रहे हैं, वहीं यह भी कि मोदी सरकार उक्त विधेयक को शीघ्र ही पारित कराने को लेकर गंभीर है। हालांकि शिरोमणि अकाली दल का लोकसभा में एक ही सांसद है, लेकिन उसकी ओर से परिसीमन बिल का समर्थन करने की घोषणा इस संविधान संशोधन विधेयक के पक्ष में माहौल बनाने का काम करेगी। यह उल्लेखनीय है कि जब संसद के बजट सत्र में इस विधेयक को लाया गया था, तब शिरोमणि अकाली दल ने उसका विरोध किया था। जैसे इस दल ने अपना रवैया बदला, वैसे ही कुछ अन्य दल भी बदल सकते हैं।

इसके संकेत भी मिल रहे हैं। इसके अतिरिक्त तथ्य यह भी है कि बजट सत्र के मुकाबले मानसून सत्र आने तक संसद की तस्वीर बदल चुकी है। तृणमूल कांग्रेस में टूट हो चुकी है और उसके 20 लोकसभा सदस्य एक नए दल का हिस्सा बनकर भाजपा के नेतृत्व वाले राजग का हिस्सा बन चुके हैं। इसके अतिरिक्त उद्धव ठाकरे की शिवसेना के भी कई सांसद भाजपा की सहयोगी शिवसेना में शामिल हो चुके हैं। आश्चर्य नहीं कि कांग्रेस से छिटक चुकी द्रमुक भी अपना रवैया बदल ले और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी। इससे सरकार का काम आसान हो सकता है।

यदि सभी राजनीतिक दल लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू होते हुए सचमुच देखना चाहते हैं तो उन्हें दलगत राजनीति से ऊपर उठकर परिसीमन विधेयक का समर्थन करना ही होगा। जब सरकार सभी राज्यों की लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत की वृद्धि करने पर सहमत हो गई है, तब फिर परिसीमन विधेयक के विरोध का कोई औचित्य नहीं रह जाता। यदि परिसीमन विधेयक पारित नहीं होता तो महिला आरक्षण को 2029 तक लागू करने का संसद का वादा पूरा नहीं होगा।

यदि ऐसा नहीं होता तो आधी आबादी के सवालों का सामना सत्तापक्ष के साथ विपक्ष को भी करना होगा। सभी राज्यों की लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत की वृद्धि के प्रस्ताव के बाद विपक्ष की यह दलील खोखली हो जाती है कि कुछ राज्यों और विशेष रूप से दक्षिण के राज्यों के साथ अन्याय होगा। विपक्ष को समझना होगा कि आबादी कम करने में सफल रहे राज्यों को राजनीतिक नुकसान तो तब होगा, जब परिसीमन नई जनगणना के बाद लागू होगा।

वर्तमान परिस्थितियों में यही उचित है कि परिसीमन विधेयक को संसद से पारित कर महिला आरक्षण को लागू करने का रास्ता साफ किया जाए। इसमें जितना अधिक विलंब होगा, महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में उचित प्रतिनिधित्व देने में उतनी ही देरी होगी।

‘तमाशा’

ख़ून के रिश्तों का ये अंजाम भी देखा हमने,
दौलत की ख़ातिर हर इल्ज़ाम भी देखा हमने।
जो कभी एक ही थाली में निवाले खाते थे,
आज उन्हीं हाथों में ख़ंजर-ओ-पैग़ाम भी देखा हमने।
जिस आँगन में हँसी की सदाएँ गूँजती थीं,
वहीं नफ़रत का सरेआम इंतज़ाम भी देखा हमने।
रिश्ते बिकते रहे सिक्कों की खनक के आगे,
ज़मीर का यूँ सस्ता दाम भी देखा हमने।
ख़ून का रिश्ता था, मगर ख़ून का प्यासा निकला,
चेहरों पर अपनापन, दिल में इंतिक़ाम भी देखा हमने।
ऐ दौलत! तुझे क्या इल्ज़ाम दें आखिर,
तेरे लिए हर अपने को बेइमान देखा हमने।।

डिम्पल तिवारी रामप्रिया

लखनऊ निराश्रित महिला पेंशन योजना महिलाओं के सम्मान और सामाजिक सुरक्षा की सशक्त पहल

“ इस योजना का मुख्य उद्देश्य निराश्रित महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता देकर उनके जीवन-यापन को सुगम बनाना है। समाज के कमजोर वर्गों की महिलाएं, विशेषकर विधवाएं, अक्सर परिवार और समाज में उपेक्षा का सामना करती है। कई बार उन्हें बुनियादी जरूरतों के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में पेंशन सहायता उनके लिए एक स्थायी सहारा बनती है।

समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए सरकार द्वारा समय-समय पर अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जाती रही हैं। इनमें महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं का विशेष महत्व है। महिलाओं, विशेषकर निराश्रित, विधवा एवं आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना एक संवेदनशील और महत्वपूर्ण दायित्व है। इसी उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निराश्रित महिला पेंशन योजना संचालित की जा रही है, जो जरूरतमंद महिलाओं के लिए सहारा और सम्मान दोनों का माध्यम बनी है।

निराश्रित महिला पेंशन योजना समाज की उन महिलाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिनके पति की मृत्यु हो चुकी है अथवा जो किसी कारणवश निराश्रित जीवन व्यतीत कर रही है और जिनके पास आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं है। ऐसी महिलाएं अक्सर आर्थिक कठिनाइयों, सामाजिक असुरक्षा और जीवन-यापन की चुनौतियों से जूझती हैं। ऐसे समय में यह योजना उनके लिए आर्थिक सहायता और सामाजिक सुरक्षा का आधार प्रदान करती है। उत्तर प्रदेश सरकार की यह योजना निराश्रित महिलाओं को मासिक पेंशन के रूप में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मसम्मान के साथ जीवन यापन करने में सहयोग देती है। वर्तमान में पात्र लाभार्थियों को प्रतिमाह 1000 रुपये पेंशन प्रदान की जा रही है।

यदि आंकड़ों की बात करें तो इस योजना का दायरा निरंतर बढा है। वर्ष 2016-17 में लगभग 17.31 लाख महिलाएं इस योजना से लाभान्वित थी, जबकि 2025 तक यह संख्या बढ़कर 34 लाख से अधिक हो गई है। यह वृद्धि दर्शाती है कि सरकार ने लाखों नई पात्र महिलाओं को योजना से जोडा है। हालिया बजटीय प्रावधानों में 2025-26 में 38.58 लाख लाभार्थियों तक योजना का विस्तार दर्शाया गया है तथा इसके लिए 3500 करोड़ रुपये का प्रावधान भी प्रस्तावित किया गया। ये आंकडे योजना के व्यापक प्रभाव को प्रमाणित करते हैं। योजना के अंतर्गत पेंशन राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाती है, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है और बिचौलियों की भूमिका समाप्त होती है। डीबीटी व्यवस्था ने योजना को अधिक प्रभावी और भरोसेमंद बनाया है। इससे लाभार्थियों को समय पर सहायता प्राप्त होती है और योजना की पारदर्शिता सुनिश्चित होती है।

निराश्रित महिला पेंशन योजना महिलाओं को केवल आर्थिक मदद ही नहीं देती, बल्कि उनके आत्मसम्मान की रक्षा भी करती है। समाज में अनेक ऐसी महिलाएं हैं, जो पति के निधन के बाद आर्थिक संकट में फंस जाती है। ऐसी स्थिति में यह पेंशन उनके लिए जीवन-यापन का आधार बनती है। इससे उन्हें दूसरों पर निर्भरता कम करनी पड़ती है और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर मिलता है। यह योजना महिलाओं के सामाजिक सशक्तिकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आर्थिक सहायता मिलने से महिलाएं अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं कर पाती है, जिससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है। यह सहायता उन्हें समाज में सम्मानजनक स्थिति बनाए रखने में भी मदद करती है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस योजना का विशेष महत्व है, जहां बड़ी संख्या में विधवा और निराश्रित महिलाएं आर्थिक कठिनाइयों का सामना करती है। पेंशन राशि भले सीमित हो, लेकिन यह उनके लिए दवा, भोजन, वस्त्र और अन्य बुनियादी जरूरतों की पूर्ति में सहायक सिद्ध होती है। ग्रामीण गरीब महिलाओं के लिए यह योजना जीवनरेखा जैसी साबित हुई है। यह योजना सामाजिक न्याय की अवधारणा को भी मजबूत करती है। समाज के कमजोर और उपेक्षित वर्गों की महिलाओं तक सरकारी सहायता पहुंचाकर यह योजना समावेशी विकास की भावना को साकार करती है। यह सरकार की संवेदनशीलता और महिला कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने योजना के संचालन में तकनीकी और प्रशासनिक सुधारों पर भी बल दिया है। ऑनलाइन आवेदन, सत्यापन प्रक्रिया और डिजिटल भुगतान जैसी व्यवस्थाओं से योजना का लाभ अधिक सुगमता से लाभार्थियों तक पहुंच रहा है। इससे पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों में वृद्धि हुई है।

आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाना भी इस योजना की महत्वपूर्ण विशेषता है। पात्र महिलाएं ऑनलाइन या संबंधित विभाग के माध्यम से आवेदन कर सकती है। आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज, जैसे आय प्रमाणपत्र, पति का मृत्यु प्रमाणपत्र, बैंक खाता विवरण आदि प्रस्तुत किए जाते हैं। सत्यापन के बाद पात्र महिलाओं को योजना से जोड़ा जाता है।

सरकार द्वारा समय-समय पर शिविरों, जनजागरूकता कार्यक्रमों और ग्राम स्तर पर प्रचार-प्रसार के माध्यम से अधिकाधिक पात्र महिलाओं तक योजना की जानकारी पहुंचाई जाती है। इससे वे महिलाएं भी लाभ ले पा रही हैं, जो पहले जानकारी के अभाव में वंचित रह जाती थीं।

इस योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह महिलाओं को सम्मानपूर्वक जीवन जीने की प्रेरणा देती है। आर्थिक सहायता मिलने से महिलाएं अपनी छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहतीं। इससे उनमें आत्मनिर्भरता की भावना विकसित होती है।

राज्य सरकार द्वारा महिला कल्याण के क्षेत्र में संचालित अन्य योजनाओं के साथ निराश्रित महिला पेंशन योजना एक मजबूत सामाजिक सुरक्षा ढांचे का निर्माण करती है। यह योजना महिलाओं के लिए सुरक्षा, सम्मान और सहयोग का प्रतीक बन चुकी है।

योजना के प्रभाव को आंकड़ों से भी समझा जा सकता है। यदि 34 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की पेंशन दी जा रही है, तो यह प्रतिवर्ष 4,000 करोड रुपये से अधिक की सामाजिक सुरक्षा सहायता के बराबर है। 38.58 लाख लाभार्थियों के लक्ष्य के साथ इसका दायरा और बढ़ रहा है। यह दर्शाता है कि सरकार महिला कल्याण के लिए बड़े पैमाने पर संसाधन लगा रही है। हालांकि योजना के क्रियान्वयन में कुछ चुनौतियां भी सामने आती है, जैसे सभी पात्र महिलाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना, दस्तावेजी प्रक्रियाओं को और सरल बनाना तथा दूरस्थ क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाना। लेकिन सरकार इन चुनौतियों के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत है। हाल में लाभार्थियों के सत्यापन अभियान चलाकर पारदर्शिता और पात्रता सुनिश्चित करने के प्रयास भी किए गए है।

आदर अदीब पावेल बन्धु

इस जटिल और...

दुर्गेश्वर राय

दो पीढ़ियों और जीवनसाथी के मध्य बेहतर समन्वय ही युवा पीढ़ी की सबसे बड़ी परीक्षा

जीवन की यात्रा जब अपने मध्य पड़ाव पर पहुँचती है, तब मनुष्य एक ऐसे संवेदनशील मोड़ पर खड़ा होता है जहाँ उसे पीछे छूटती और आगे बढ़ती, दोनों दिशाओं को एक साथ संभालना होता है। यही वह घड़ी है जो युवा पीढ़ी की वास्तविक परीक्षा लेती है। इस मोड़ पर खड़े व्यक्ति को एक ओर अपने बुजुर्ग माता-पिता की अपेक्षाओं, भावनाओं और ढलते स्वास्थ्य का संबल बनना होता है, तो दूसरी ओर अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य, संस्कारों और उनकी आधुनिक आकांक्षाओं को संवारना पड़ता है। दो पीढ़ियों के बीच संतुलन साधने की यह चुनौती केवल समय प्रबंधन का विषय नहीं है, बल्कि यह धैर्य, संवेदना और परिपक्वता का महायज्ञ है। जिसने इस मोड़ पर सही सामंजस्य स्थापित कर लिया, उसका जीवन वस्तुतः सफल माना जाता है, क्योंकि परिवार रूपी वृक्ष की जड़ें उसकी नींव पर टिक जाती हैं।

इस जटिल और बहुआयामी ज़िम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण स्तम्भ जीवनसाथी होता है। माता-पिता और बच्चों के बीच संतुलन साधने की यह पूरी यात्रा अधूरी और अत्यधिक कठिन हो जाती है यदि जीवनसाथी के साथ अटूट तालमेल, आपसी समझ और परस्पर सम्मान न हो। जीवनसाथी केवल एक सहभागी नहीं, बल्कि पूरे परिवार के

भावात्मक ढांचे की रीढ़ होता है। जब दोनों एक-दूसरे के दृष्टिकोण को समझते हैं, एक-दूसरे की थकान और मानसिक दबाव का सम्मान करते हैं, तब दो पीढ़ियों को संभालने का यह दुर्गम कार्य सहज आनंद में बदल जाता है। यदि कोई अपने जीवनसाथी की भावनाओं, उसके त्याग और गृहस्थी के प्रति उसके योगदान को अनदेखा करता है, या परिवार की परंपराओं और बुजुर्गों की सेवा को बोझ माना जाने लगता है, तो घर का संतुलन पूरी तरह डगमगा जाता है। इसके विपरीत, जहाँ जीवनसाथी के बीच अटूट वैचारिक तालमेल होता है, वहाँ माता-पिता को भी पूर्ण सम्मान मिलता है और बच्चों को भी एक शांत, सुरक्षित और सुसंस्कृत वातावरण प्राप्त होता है।

माता-पिता, जीवनसाथी और बच्चों के बीच का यह सेतु बनना कोई साधारण काम नहीं है। एक ओर माता-पिता हैं जिन्होंने अपना पूरा जीवन अपने बच्चों के निर्माण में खपा दिया। ढलती उम्र में उन्हें केवल भौतिक सुविधाओं की नहीं, बल्कि अपनों के स्पर्श, आत्मीयता और सम्मान की आवश्यकता होती है। कई बार उनके विचारों में पुरानी परिपाटी का आग्रह होता है, जो आधुनिक दौर की गति से मेल नहीं खाता। वहीं दूसरी ओर बच्चे हैं, जो असीम संभावनाओं और डिजिटल युग की तीव्र गति के साथ बड़े हो रहे हैं। उनकी सोच, उनकी जरूरतें और उनके सपने पूरी तरह से अलग हैं। इन दोनों के बीच खड़ी युवा पीढ़ी और उसके दांपत्य जीवन को एक ऐसे कुशल मध्यस्थ की भूमिका निभानी होती है जो न तो पुरानी जड़ों को कमजोर होने दे और न ही नई कोंपलों को खिलने से रोके।

इस सामंजस्य की विफलता और सफलता के अनेक उदाहरण हमारे आसपास देखने को मिलते हैं। हम ऐसे परिवारों को देखते हैं जहाँ जीवनसाथी कंधे से कंधा मिलाकर घर के बुजुर्गों की बीमारी में उनके सिरहाने बैठते हैं और उसी रात मुस्कुराकर अपने बच्चों के प्रोजेक्ट्स या उनकी शंकाओं का समाधान भी करते हैं। ऐसे घरों में तीन पीढ़ियों का एक साथ हंसना-बोलना वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है। इसके विपरीत, जहाँ जीवनसाथी के बीच संवादहीनता या अहंकार होता है, वहाँ बात-बात पर क्लेश बढ़ता है। जब कोई व्यक्ति केवल अपने करियर या बच्चों में ही सिमट जाता है और माता-पिता को उपेक्षित कर देता है, अथवा जब दांपत्य जीवन के तनाव के कारण घर का माहौल विषाक्त हो जाता है, तब परिवार बिखरने लगता है। ऐसे मामलों में व्यक्ति जीवन की इस सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाता है। वैदिक और भारतीय ज्योतिषीय ग्रंथों के अनुसार जातक की कुंडली में कुछ विशिष्ट ग्रहों और भावों की स्थिति यह तय करती है कि वह इस दोहराव वाली जिम्मेदारी और दांपत्य जीवन को किस सीमा तक निभा पाएगा।

युवाओं के...

सोनी सिंह

उत्तर प्रदेश का रोजगार मिशन युवाओं के सपनों को दे रहा नई उड़ान

‘‘काम चाहिए तो हुनर चाहिए और हुनर है तो रोजगार खुद चलकर आएगा’’। इसी सोच के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने ‘उ0प्र0 रोजगार मिशन’ की नींव रखी थी। आज 09 साल बाद इसके नतीजे सामने है। प्रदेश के लाखों युवा अब न सिर्फ देश में बल्कि विदेशों में भी अपनी पहचान बना रहे हैं। प्रदेश सरकार का लक्ष्य हर हाथ को काम देना है और इस दिशा में निजी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों के साथ साझेदारी मिशन को नई गति दे रही है। मुख्यमंत्री जी का कहना है कि हमारे प्रदेश के युवा रोजगार लेने वाले नही, बल्कि रोजगार देने वाले बनें। आज रोजगार मिशन के आंकड़े बताते है कि सरकार की मेहनत रंग ला रही है। 01 अप्रैल, 2017 से मार्च 2026 तक कुल 13,698 रोजगार मेलों के माध्यम से 17,29,799 से अधिक युवाओं को निजी क्षेत्र में नौकरी मिली है। पिछले एक साल में कई बड़े आयोजन हुए। अगस्त 2025 में लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में लगे रोजगार महाकुंभ में 16,212 युवाओं का चयन हुआ, जिनमें 1612 युवा विदेशों में रोजगार के लिए चुने गए। अक्टूबर 2025 में गोरखपुर में हुए इंटरनेशनल प्लेसमेंट इवेंट से 279 अभ्यर्थी विदेश गए। दिसंबर 2025 में वाराणसी में आयोजित काशी सांसद रोजगार महाकुंभ में 8,054 युवाओं को नौकरी मिली, जिनमें 85 युवाओं का चयन विदेश के लिए हुआ है। महिलाओं के लिए मार्च 2026 में लगा पिंक रोजगार मेला भी खास रहा, जिसमें 2,765 महिलाओं को कंपनियों में नौकरी मिली और 79 महिलाओं का चयन विदेशों में नौकरी के लिए हुआ है। यूपी के कुशल श्रमिकों की मांग विदेशों में भी बढ़ी है। अब तक 9,000 निर्माण श्रमिकों में 6,004 निर्माण श्रमिकों को इजराइल भेजा जा चुका है। यह प्रदेश के लिए गर्व की बात है। वर्तमान में 1,336 निर्माण श्रमिक और 245 रेनोवेशन सेक्टर के श्रमिक प्रशिक्षण के अंतिम चरण में हैं और उन्हें जल्द इजराइल भेजा जाएगा। विदेश जाने से पहले अभ्यर्थियों को भाषा प्रशिक्षण और प्रस्थान-पूर्व उन्मुखीकरण भी दिया जा रहा है, ताकि उन्हें वहां किसी दिक्कत का सामना न करना पड़े। प्रदेश सरकार का श्रम एवं सेवायोजन विभाग सिर्फ मेला नहीं लगा रहा, बल्कि सीधे उद्योगों से जुड़ रहा है। ‘‘इंडस्ट्री कनेक्ट’’ कार्यक्रम के तहत नोएडा में 22 अगस्त, 2025 और मुंबई में 13 मार्च 2026 को बड़ी इंडस्ट्री मीट हुई। इसका नतीजा यह हुआ कि प्रदेश की प्रतिष्ठित कंपनियां अब सीधे सेवायोजन पोर्टल से जुड़ रही है। इसी कड़ी में हिन्दुजा ग्रुप की कंपनी के साथ भी एमओयू किया गया है। युवाओं के स्किल गैप को दूर करने के लिए भाषा प्रशिक्षण के लिए ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के साथ भी करार हुआ है। रोजगार से पहले दिशा-निर्देशन भी जरूरी है। इसी सोच के साथ 2017 से अब तक 34 लाख से अधिक अभ्यर्थियों को सेवायोजन कार्यालयों में कॅरियर काउंसिलिंग दी गई है। इस काउंसिलिंग में उन्हें बताया जाता है कि उनकी योग्यता के अनुसार कौन-सा क्षेत्र बेहतर है, कौन सा कोर्स करें और इंटरव्यू की तैयारी कैसे करें। उत्तर प्रदेश का रोजगार मिशन अब सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि प्रदेश के युवाओं के लिए उम्मीद की नई किरण बन चुका है।

जरा हटके

समस्या की गंभीरता...

डॉ0 सीमा गुप्ता

जनपद गाजियाबाद में सुपोषण एवं उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के अभिसरण से साकार होता स्वस्थ भविष्य का संकल्प

प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार के समन्वित प्रयासों से स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन परिलक्षित हो रहे हैं। जन-स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, प्रशासनिक तंत्र द्वारा समाज के अंतिम व्यक्ति तक उत्कृष्ट चिकित्सा और पोषण सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। जनपद गाजियाबाद में जिला प्रशासन के कुशल निर्देशन में स्वास्थ्य एवं बाल विकास योजनाओं का धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। अत्यधिक सघन आबादी और चुनौतीपूर्ण जनसांख्यिकी वाले इस जनपद में कुपोषण के विरुद्ध एक निर्णायक और सफल अभियान जारी है। जनपद गाजियाबाद के एक सघन क्षेत्र में निवासरत एक श्रमिक परिवार की कहानी वर्तमान सरकार की व्यवस्थाओं और कार्यकुशलता का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह परिवार सीमित आय और चौदह सदस्यों की बड़ी जिम्मेदारी के कारण भारी आर्थिक दबाव और पोषण के अभावों का सामना कर रहा था। जिससे परिवार का उन्नीस माह का एक बालक गंभीर कुपोषण और अज्ञात जटिल बीमारियों की चपेट में आ गया था। स्थिति इतनी विकट थी कि अपनी आयु के विपरीत वह बालक न तो सामान्य रूप से बोल पाता था और न ही अपने पैरों पर खड़ा हो पाता था।

शारीरिक विकास पूरी तरह से अवरुद्ध हो चुका था और खड़े होने का प्रयास करने पर उसके पैर कांपने लगते थे। बालक का वजन भी सामान्य मानकों की तुलना में अत्यंत कम था, जो उसके जीवन के लिए एक बड़ा खतरा बन चुका था। इस गंभीर स्थिति में प्रदेश सरकार की स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली ने अपना प्रभावी कार्य किया। स्थानीय स्तर पर कार्यरत अग्रिम पंक्ति की आंगनवाड़ी कार्यकर्ती ने अपने नियमित गृह भ्रमण के दौरान बालक के अत्यंत कुपोषित और रुग्ण होने की पहचान की।

समस्या की गंभीरता को समझते हुए, विभागीय कर्मियों ने तत्काल बालक को विशेष पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराने की संस्तुति की। प्रारंभ में जागरूकता के अभाव के कारण परिवार इस चिकित्सकीय हस्तक्षेप के लिए तैयार नहीं था। जिला प्रशासन द्वारा प्रशिक्षित विभागीय पर्यवेक्षकों और कार्यकर्ताओं ने परिवार के सदस्यों के साथ निरंतर संवाद स्थापित किया। उन्होंने वैज्ञानिक तर्कों और सरकारी सुविधाओं के प्रति परिवार को आश्वस्त करते हुए उन्हें उन्नत उपचार के लिए सफलतापूर्वक सहमत कर लिया।

सहमति मिलने के उपरांत, प्रदेश सरकार द्वारा संचालित निःशुल्क एंबुलेंस सेवा के माध्यम से बालक को त्वरित गति से स्थानीय पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराया गया। यह त्वरित निर्णय बालक के जीवन की रक्षा में पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।उपचार के प्रारंभिक चरण में बालक की स्थिति में कुछ और जटिलताएं उत्पन्न हुईं। गहन चिकित्सकीय जांच में स्पष्ट हुआ कि उसके फेफड़ों में पानी भरने की अत्यंत गंभीर और प्राणघातक समस्या विकसित हो चुकी है, जिसके लिए उच्च स्तरीय विशेषज्ञता की आवश्यकता थी। बिना किसी विलंब के, जिला प्रशासन के स्वास्थ्य तंत्र ने बालक को प्रदेश सरकार के एक उच्चीकृत विशेषज्ञ चिकित्सालय में संदर्भित किया। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए वहां से उसे केंद्र सरकार द्वारा संचालित एक प्रतिष्ठित बाल रोग विशेषज्ञ चिकित्सालय में स्थानांतरित कर दिया गया। केंद्र सरकार के इस विशेषज्ञ चिकित्सालय में बालक की एमआरआई सहित सभी महंगी और जटिल जांचें त्वरित प्रभाव से की गईं। उच्च कोटि के विशेषज्ञ चिकित्सकों के दल ने बालक की स्थिति की निरंतर निगरानी करते हुए एक सघन चिकित्सा प्रोटोकॉल का निर्धारण किया। सरकारी चिकित्सा सुविधाओं के इस उच्च स्तरीय और समन्वित प्रयास का अत्यंत सकारात्मक परिणाम सामने आया। निरंतर चले गुणवत्तापूर्ण उपचार और सघन देखभाल के पश्चात बालक की स्थिति में आश्चर्यजनक रूप से सुधार हुआ। आज वह बालक न केवल अपने पैरों पर सामान्य रूप से चलने में सक्षम है, बल्कि स्पष्ट रूप से बोलने भी लगा है। उसका शारीरिक वजन आयु के मानकों के अनुरूप सामान्य हो चुका है और वह एक पूर्णतः स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रहा है।

इस संपूर्ण प्रकरण की सबसे प्रमुख और उल्लेखनीय विशेषता यह रही कि इस अत्यंत निर्धन परिवार को संपूर्ण जटिल उपचार प्रक्रिया में एक भी रुपये का आर्थिक व्यय नहीं करना पड़ा।प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की जन-कल्याणकारी नीतियों के कारण महंगी एंबुलेंस सेवा से लेकर एमआरआई जैसी जटिल जांचें और आईसीयू का खर्च पूर्णतः निःशुल्क रहा। सरकार की शून्य आउट-ऑफ़-पॉकेट व्यय नीति ने एक गरीब परिवार को कर्ज के बोझ में फंसने से बचा लिया।

लाभार्थी बालक की माता ने प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है। उनका स्पष्ट मानना है कि यदि विभागीय कर्मियों द्वारा सही समय पर समस्या की पहचान कर उन्हें प्रेरित न किया गया होता, तो वे अपने बालक को खो सकते थे।यह सफलता मात्र एक संयोग नहीं है, बल्कि प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित एक सुदृढ़ और बहुआयामी स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र का परिणाम है। जनपद गाजियाबाद में संचालित यह प्रणाली निरंतर ऐसे हजारों परिवारों के जीवन में आशा की किरण बन रही है। कुपोषण को जड़ से समाप्त करने के लिए प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार द्वारा ‘राष्ट्रीय पोषण अभियान’ जैसी महत्वाकांक्षी योजना का अत्यंत सूक्ष्म स्तर पर क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर में ऐतिहासिक कमी लाना है। इस पूरे प्रयास में सबसे सशक्त भूमिका अग्रिम पंक्ति की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की है। वे न केवल प्रशासनिक व्यवस्था का अभिन्न अंग हैं, बल्कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल का सबसे जीवंत और विश्वसनीय आधार स्तंभ बन चुकी हैं। जीवन के प्रथम एक हजार दिनों के महत्व को केंद्र में रखते हुए, प्रदेश सरकार ने गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के स्वास्थ्य प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

चेतावनी- यूपी में कल 75 शहरों में बारिश का अलर्ट

अलर्ट

10 नदियां उफान पर, काशी में गंगा आरती घाट, वृंदावन में परिक्रमा मार्ग डूबे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। गंगा, यमुना, शारदा और सरयू समेत 10 से ज्यादा नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं। मथुरा में यमुना नदी का पानी घाटों की सीढ़ियों तक पहुंच गया है। वृंदावन में केशीघाट पर परिक्रमा मार्ग डूब गया है। भक्त एक फीट पानी में उतरकर परिक्रमा लगा रहे हैं। कानपुर शहर से 25 किलोमीटर दूर गंगा घाट के किनारे ब्रह्मावर्त घाट पर 'ब्रह्मा की खूंटी' मंदिर में खूंटी डूब गई। काशी में गंगा का पानी मणिकर्णिका घाट तक पहुंच गया है। सभी 84 घाटों को जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं। इससे उनका आपस में संपर्क टूट गया है। दशाश्वमेघ घाट पर गंगा आरती की जगह बदल दी गई है। फर्रुखाबाद में 36 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। बिजनौर

में पिछले 11 दिनों से गंगा का पानी स्टेट हाईवे के ऊपर से बह रहा है। 12 गांवों में बाढ़ से हालात बिगड़ गए हैं। लोग अपने घरों को छोड़कर जाने को मजबूर हैं। दोनों की जिलों के ग्रामीण इलाकों में नावें चल रही हैं। लोगों को ट्रैक्टर और बैलगाड़ी के सहारे आवाजाही करनी पड़ रही है। रविवार सुबह से लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज समेत ज्यादातर शहरों में मौसम साफ है। तेज धूप निकली है। हालांकि, बीच-बीच में बादल छा रहे हैं। ठंडी हवा चलने की वजह से गर्मी नहीं है। मौसम विभाग (IMD) ने आज 52 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। ललितपुर और सोनभद्र समेत 10 जिलों में भारी बारिश हो सकती है। सोमवार को पूरे प्रदेश में बारिश की संभावना है। ललितपुर और महोबा में भारी से भारी बारिश का अलर्ट है। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-दक्षिण-पश्चिम यूपी पर बना कम दबाव का क्षेत्र अब कमजोर पड़ गया है। मानसूनी रेखा दिल्ली और आगरा से होते हुए पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी की ओर जा रही है। इसके अलावा, दक्षिणी पश्चिम बंगाल और उससे सटे उत्तरी ओडिशा पर बना एक और कम दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है।

काशी में दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती का स्थान 10 फीट पीछे किया

वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से विश्व प्रसिद्ध दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती का स्थान करीब 10 फीट पीछे कर दिया गया है। पानी बढ़ने से काशी के सभी 84 घाटों का आपसी संपर्क टूट गया है। जलस्तर और बढ़ा तो आरती का स्थान दोबारा बदला जा सकता है। सावन के दूसरे सोमवार से पहले घाटों का संपर्क टूटने से श्रद्धालुओं को परेशानी हो सकती है।

> **संभल में सामान्य से बहुत ज्यादा बारिश हुई है। यहां औसतन 377.4 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन 642.7 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई, जो सामान्य से करीब 70% अधिक है।**
>
> **दूसरी ओर भदोही में काफी कम बारिश हुई है। यहां 445.6 मिमी बारिश का अनुमान था, लेकिन केवल 139.8 मिमी बारिश दर्ज की गई।**

वाराणसी में घाटों का संपर्क टूटा, दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती की जगह बदली

बीते 24 घंटे में वाराणसी में करीब 3 फीट तक गंगा का जलस्तर बढ़ा है। सभी घाटों का संपर्क टूट गया है। दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती का स्थान भी बदलना पड़ा है। बनारस के आसमान में आज हल्के बादल दिखाई दे रहे हैं। मौसम वैज्ञानिक मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि आगामी 1 से 2 दिनों तक हल्की-फुल्की बूंदाबांदी के आसार दिखाई दे रहे हैं।

राजधानी में मेडिकल छात्रों ने बजाई ढफली

बोले- 4 मेडिकल कॉलेजों का विशेष दर्जा खत्म न किया जाए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में रविवार को दोपहर 3:00 बजे ईको गार्डन में मेडिकल छात्रों ने ढफली बजाकर जोरदार प्रदर्शन किया। अम्बेडकर-नगर, कन्नौज, जालौन और सहार-नपुर स्थित राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने का विरोध किया। इन कॉलेजों में पुरानी व्यवस्था लागू रखने की मांग की।

छात्रों ने कहा कि इन मेडिकल कॉलेजों की स्थापना अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्रों को उच्च चिकित्सा शिक्षा में अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हुआ है। साल 2027 से यूपी रिजर्वेशन एक्ट 2006 को लागू किया जा रहा है, जिसके तहत 21% ही रिजर्वेशन मिलेगा। जबकि रिजर्वेशन की पुरानी प्रक्रिया के तहत 70% आरक्षण मिल रहा था।

डॉ. देवांश ने कहा कि संविधान ने SC/ST समेत कमजोर वर्गों के शैक्षिक एवं आर्थिक हितों को विशेष रूप से बढ़ावा देने की बात कही है। ऐसे में सरकार को इन मेडिकल कॉलेजों की मूल भावना और विशेष प्रावधानों की रक्षा करनी चाहिए।

संबंधित मामला जब हाई कोर्ट में गया तो वहां पर सिंगल बेंच ने इसके खिलाफ आदेश आया। इसके बाद मामला डबल मैच में भी गया और वहां भी फैसला हमारे खिलाफ आया। सरकार की तरफ से उचित पैरवी न होने की वजह से फैसला हमारे विरोध में आया।

फास्ट न्यूज

अयोध्या रोड पर जाम के 153 पॉइंट चिह्नित

लखनऊ। अयोध्या रोड पर जाम और ट्रैफिक की समस्या कम करने के लिए ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार की कवायद शुरू हो गई है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद ट्रैफिक पुलिस ने पॉलिटेक्निक से चिनहट तक करीब एक सप्ताह सर्वे किया। इस दौरान 10 अलग-अलग रूट और हिस्सों में 153 ऐसे पॉइंट चिह्नित किए गए, जहां ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। शनिवार को ट्रैफिक पुलिस, एलडीए, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी और आरटीओ के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से इन सभी स्थानों का निरीक्षण किया।

गोमती थाने में सिपाही ने सुसाइड किया

लखनऊ। लखनऊ के गोमती नगर थाने में 2019 बैच के सिपाही ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव बैरक में फंदे से लटकता मिला। पुलिस ने फंदे से उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों को सूचना दे दी गई है। परिजन लखनऊ के लिए निकल चुके हैं।

मूल रूप से खिड़की चांदपुर, बिजनौर निवासी आकाश यादव (26) पुत्र अनिल यादव 2019 बैच के सिपाही थे। करीब 2 साल से गोमती नगर थाने में तैनात थे। थाने के अंदर बनी बैरक में ही रहते थे। रविवार शाम करीब 6 बजे बैरक में पंखे के सहारे चादर से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

काकोरी में कांग्रेस की जय हिंद पदयात्रा

लखनऊ। अगस्त क्रांति दिवस के मौके पर रविवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से जय हिंद पदयात्रा निकाली गई। हनीफ खान की ओर से आयोजित यह पदयात्रा हरदोई मेन रोड से शुरू होकर काकोरी स्थित शहीद स्मारक तक पहुंची। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पदयात्रा का नेतृत्व किया। काकोरी पहुंचने के बाद कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

'घर में चल रहा चर्च'

बजरंग दल और श्रीराम सनातन सेवा समिति का हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । मोहनलालगंज के भदेशवा गांव में धर्मांतरण को लेकर रविवार दोपहर जमकर हंगामा हुआ। बजरंग दल और श्री राम सनातन सेवा समिति के लोगों ने घर अंदर चल रहे चर्च से लोगों को पकड़ लिया। इस दौरान कई लोग भाग गए। लोगों का कहना है मौके पर धार्मिक पुस्तक व धर्मांतरण के लिए दिए जाने वाला पानी मिला है।

मोहनलालगंज के सिसेंडी स्थित रायपुर भदेशवा गांव से रविवार दोपहर करीब 2 बजरंग दल और श्रीराम सनातन सेवा समिति को सूचना मिली कि गांव के अंदर एक मकान में चर्च संचालित हो रहा है। जहां पर धर्मांतरण का काम चल रहा है। हिंदू लोगों को प्रलोभन देकर ईसाई धर्म में परिवर्तन कराया जा रहा है।

सूचना पर संगठन मौके पर पहुंचे तो वहां पर एक पादरी मिला। जिसकी पहचान दौधन खेड़ा बरौली खलीलाबाद लखनऊ निवासी

चंद्रिका प्रसाद के रूप में हुई। संगठन ने हिंदू नाम रखने की वजह पूछी तो वह कुछ बता नहीं पाया। इसके बाद वहां पर काफी हंगामा हुआ। संगठन के लोगों ने कहा कि पादरी ने जानबूझ कर हिंदू नाम रखा है। इसी से झांसा देकर हिंदुओं का धर्मांतरण करा रहा है। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस सभी को मोहनलालगंज थाने ले गई। पुलिस लोगों से पूछताछ कर रही है। बजरंग दल जिला सुरक्षा प्रमुख लखनऊ धर्मेंद्र शर्मा ने बताया मौके पर एक डायरी मिली है, जिस पर किसी को दो बकरी, घर में पानी की टंकी व अन्य चीज देने की बात लिखी है। कई धार्मिक पुस्तक, जिसमें ईसाई धर्म के बारे में अच्छाइयां लिखे मिली हैं।

इस मामले में तहरीर लेकर थाने पहुंचे तो पुलिस का कहना है संगठन के जरिए तहरीर नहीं ली जा सकती है।

काकोरी शहीद स्मारक पर आयोजित हुआ श्रद्धांजलि कार्यक्रम, अखिलेश यादव ने क्रांतिकारियों के बलिदान को किया याद

काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ पर शहीदों को नमन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ के अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले क्रांतिकारियों और शहीदों को नमन किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के वीरों का त्याग, साहस और संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि देश की आजादी के लिए क्रांतिकारियों ने जिस साहस और त्याग का परिचय दिया, वह भारतीय इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। उनके बलिदान और संघर्ष को कभी भुलाया नहीं जा सकता। स्वतंत्रता सेनानियों का जीवन देशवासियों को

राष्ट्रहित में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहेगा। कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सोनू कनौजिया, स्नातक चुनाव प्रभारी टीबी सिंह यादव, विधानसभा मलिहाबाद अध्यक्ष सोनिश मौर्या, वीरेंद्र सिंह यादव, राजबाला रावत, विजयश्री गौतम, अभय मुलायम, हरिशंकर यादव, पूर्व चेयरमैन नजमी खां, रज्जनलाल यादव, संदीप यादव, इसहाक गाजी, हरिपाल यादव, आसिफ इश्तियाक, पप्पू यादव, इब्राहिम मंसूरी, इमरान मंसूरी, एडवोकेट अनिल यादव, एडवोकेट आदर्श सिंह, पिन्नु यादव, सतेंद्र रावत, जितेंद्र यादव, मनीष यादव, धारा सिंह, राजकमल, राजेश सविता, वीर सिंह यादव, चौधरी ज्ञान सिंह, सुशील मास्टर सहित बड़ी संख्या में पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके त्याग और बलिदान को नमन किया।

काकोरी शहीद स्मारक पर अर्पित किए श्रद्धासुमन

काकोरी स्थित शहीद स्मारक पर समाजवादी पार्टी की ओर से श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। अखिलेश यादव की ओर से पार्टी के जिलाध्यक्ष जयसिंह जयंत के नेतृत्व में देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में सपा के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों को याद किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिलाने वाले काकोरी ट्रेन एक्शन ने देश के स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा दी थी।

युवक के पेट में रॉड घोंपकर मार डाला

दोस्त ने मां की पायल बेची तो कहा- घर में बता दूंगा, इसी पर बुलाकर हत्या की

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में 26 साल के युवक के पेट में रॉड घोंपकर हत्या कर दी गई। उसके दोस्त ने अपनी मां की पायल बेची थी। जब यह बात उसे पता चली तो उसने दोस्त से कहा कि मैं तुम्हारे घर में बता दूंगा। इस पर दोस्त ने कहा कि जब जिंदा रहेगा, तब तो घर में बताएगा। इसके बाद दोस्त ने अपने पिता के साथ मिलकर उस पर हमला कर दिया। युवक का शव रविवार सुबह उसके घर के बाहर पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना मड़ियांव थाना क्षेत्र के मामा कॉलोनी फैजुल्लागंज की है। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। घटना से जुड़ी CCTV फुटेज भी सामने आई है। इसमें काली शर्ट में शुभम सोनी दिखाई पड़ रहा है। वह एक गली से बाहर की तरफ जाता है। इसके बाद दौड़ते हुए अंदर आता है। इसी बीच 2 लोग

शुभम सोनी, मृतक

उस पर हमला कर देते हैं। इस दौरान दूसरी तरफ से भी कुछ लोग भागते हुए आते हैं और शुभम के पेट में रॉड घुसेड़ देते हैं। इसके बाद सब एक-दूसरे को पकड़कर वापस निकलते दिखाई देते हैं। शुभम लड़खड़ाते हुए किसी तरह आगे बढ़ता है। चल नहीं पाता, तो दीवार का सहारा लेकर खड़ा हो जाता है। लहूलुहान हालत में शुभम बहुत देर तक खड़ा नहीं रह पाता। वह जमीन पर मुंह के बल गिर जाता है। मां मालती सोनी ने बताया- मेरे स्वस्थ बेटे को घर से शनिवार शाम 7 बजे बुलाकर ले गए थे। उन लोगों ने पहले बेटे शराब पिलाई। फिर बेटे को ईंट-पत्थर से मारा। इसके बाद उसके पेट में लोहे की रॉड घुसेड़ दी।

बेटा चारपहिया वाहन चलाने का काम करता था। इन दोस्तों के बीच में न जाने कौन-सी लड़ाई हुई कि उसे मारकर हमारे दरवाजे पर बॉडी फेंककर चले गए। बेटे का शव रविवार सुबह घर के बाहर पड़ा मिला।

> **इस मामले में पुलिस का कहना है कि शुभम के भाई शिवम की शिकायत पर सुमित और उसके पिता मथुरा के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। पूछताछ और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।**

शुभम ने ही बिकवाई थी पायल

कुछ दिन पहले सुमित ने एक पायल बेची थी। वह पायल शुभम ने ही बिकवाई थी। लेकिन, शुभम को कुछ दिन बाद पता चला कि सुमित ने अपनी मां की पायल बेची है। इस पर उसने सुमित से कहा कि तुम्हारी मां से बता दूंगा। तुमने मेरे जरिए उनकी पायल क्यों बिकवाई? इस बात से सुमित उससे गुस्सा हो गया। एक दिन दोनों के बीच जमकर झगड़ा हुआ। इसके बाद मामला शांत हो गया। लेकिन, सुमित ने शुभम से बदला लेने का मन बना लिया। वह शनिवार शाम शुभम को घूमने के बहाने घर से बुला ले गया। रात करीब 10 बजे सुमित ने पिता मथुरा के साथ मिलकर शुभम की हत्या कर दी।

गले मिलकर जेब से 35 हजार उड़ाने वाला गिरफ्तार

नशे की लत पूरी करने के लिए करता था चोरी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के कैसरबाग इलाके में गले मिलकर जेब से 35 हजार रुपए निकालने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से 5,250 रुपए नकद बरामद किए हैं। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसे नशे की आदत है। नशे के लिए पैसे की जरूरत होने पर वह चोरी करता था।

इंस्पेक्टर कैसरबाग अंजनी कुमार मिश्रा ने बताया 26 जून को फूलबाग निवासी गोपाल चौहान ने कैसरबाग थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि एक अज्ञात व्यक्ति ने उनसे हाथ मिलाने के बाद गले लगाया और इसी दौरान उनकी पिछली जेब से 35 हजार रुपए निकालकर भाग गया। मामले की जांच के दौरान पुलिस को आरोपी की पहचान साजमान उर्फ हबड़ी निवासी मछली मोहाल, कैसरबाग के रूप में हुई है। 8 अगस्त को मुखबिर ने

सूचना दी कि आरोपी सफेद बारादरी के पीछे वाली सड़क से परिवर्तन चौक की तरफ पैदल जा रहा है। सूचना पर कैसरबाग पुलिस बटलर पार्क के पीछे सड़क पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी का इंतजार करने लगी। कुछ देर बाद सफेद हाफ टी-शर्ट और हाफ पैंट पहने एक युवक वहां पहुंचा। मुखबिर के इशारे पर पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो वह पीछे मुड़कर भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि करीब एक महीने पहले उसने स्कूटी से जा रहे एक व्यक्ति को रोककर बातचीत की थी।

दावा : कहा- मेरी कार पर 'पास' लगवाया, पीएचडी की फीस आधी कराने की सिफारिश की

विधायक पर गंदी हरकत का आरोप, महिला ने सबूत दिखाए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । सुल्तानपुर सदर से भाजपा विधायक विनोद सिंह पर रेप की कोशिश का आरोप लगा है। विधायक ने सफाई दी कि मैं तो महिला को जानता तक नहीं हूं, रेप तो दूर की बात है। महिला ने दावा किया कि विधायक झूठ बोल रहे हैं।

उन्होंने सबूत दिखाकर दावा किया कि विधायक उसे जानते थे। भाजपा विधायक के खिलाफ दिल्ली में केस दर्ज हो चुका है। इससे पहले विधायक ने लखनऊ में महिला और उनके पति के खिलाफ जालसाजी की कोशिश का केस दर्ज कराया था। वह आरोप लगाती हैं- विधायक ने मुझे प्रभावित करने के लिए यह सब किया। उस वक्त मुझे समझ नहीं आ रहा था

कि वह ऐसा क्यों कर रहे? लेकिन, जब उन्होंने मेरे साथ यह सब किया, तब मुझे समझ आया कि वह क्या चाहते थे? अब मैं चाहती हूं कि उनके खिलाफ कार्रवाई हो। महिला कहती हैं- 3 जून, 2026 को मैं अपनी बेटी के साथ अपने फ्लैट पर थी। रात करीब साढ़े 10 बजे विधायक के गनर धनंजय यादव हमारे फ्लैट पर आए। उन्होंने कहा कि विधायकजी आपको बुला रहे हैं। एक मामले पर बात करनी है। कल उनकी दिल्ली में मीटिंग है। मैंने जवाब दिया- मेरे हसबैंड नहीं हैं, मैं नहीं जा पाऊंगी। उन्होंने कहा कि कोई दिक्कत नहीं है, आप चलिए। फिर मैं उनके साथ विधायक के फ्लैट पर चली गई। धनंजय गेट के बाहर ही रुक गए, मैं अंदर पहुंची। विधायक कमरे में बैठे शराब पी रहे थे। उस वक्त वो नशे में थे। उन्होंने कहा कि तुम्हें देखने के बाद मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या करूं? तुम मेरी भावनाओं को समझ नहीं पा रही हो।

बोलीं- मैं 7वें फ्लोर पर, विधायक चौथे फ्लोर पर रहते थे

हमने महिला से पूछा- विधायक से आपका संपर्क कैसे हुआ? क्या इससे पहले भी विधायक ने कभी इस तरह की हरकत की थी? वह कहती हैं- विधायक हमारे ही क्षेत्र के हैं। उनके घर से करीब 2 किमी दूर मेरा घर है। मेरी ससुराल भी पास में ही है। मैं उन्हें लंबे समय से जानती हूं, लेकिन पिछले 2 साल से हमारी जान-पहचान ज्यादा बढ़ गई थी। उन्होंने अपनी बेटी की शादी की, तो हमें विशेष तौर पर बुलाया था। इसके बाद जब भी घर पर कुछ होता, तो मिठाई भिजवाते थे। 2-3 बार हम उनके लखनऊ वाले फ्लैट पर भी गए, लेकिन तब मेरे पति साथ होते थे।

> **विधायक का आरोप है कि महिला के पति ने अपने भाई को आईएएस बताकर मिलवाया था। इस हाईप्रोफाइल मामले को समझने के लिए हमने महिला से बात की।**

गांव-गांव अमृत सरोवरों पर लहराएगा तिरंगा, मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस

हर घर तिरंगा अभियान के तहत सभी अमृत सरोवरों पर होगा ध्वजारोहण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्वतंत्रता दिवस को समारोह पूर्वक पूरे उत्साह, उल्लास व उमंग के वातावरण मे भव्य तरीके से मनाने के लिये ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। उपमुख्यमंत्री के निर्देश के क्रम में, ग्राम्य विकास की ओर से समस्त जनपदों को आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत कर दिये गये हैं। स्वतंत्रता दिवस के उत्सव में सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो सके इस हेतु विभाग की ओर से संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को ससमय तैयारी करने और कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश जारी कर दिये गये हैं। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में

आयोजित हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रत्येक अमृत सरोवरों पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम किया जाएगा, ध्वजारोहण के कार्यक्रम से पूर्व ग्राम पंचायत के माध्यम अमृत सरोवरों की विधिवत अभियान चलिकर साफ़ सफाई करायी जाय और राष्ट्रप्रेम की भावना से परिपूर्ण अन्य राष्ट्रोत्प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किए जांय।प्रदेश की ग्राम पंचायतों में निर्मित और विकसित किये गये सभी अमृत सरोवर स्थलों और तालाबों पर ध्वजारोहण कार्यक्रम कराने के निर्देश दिये गये हैं।

> **अमृत सरोवरों पर गूंजेगा राष्ट्रप्रेम, स्वतंत्रता दिवस पर होंगे भव्य आयोजन**
>
> **हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत सभी अमृत सरोवरों पर होगा ध्वजारोहण**
>
> **स्वतंत्रता दिवस पर अमृत सरोवरो पर राष्ट्र प्रेम की भावना से परिपूर्ण कार्यक्रमों की होगी गूंज।**
>
> **गांवों में बने अमृत सरोवरों पर मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस, किया जायेगा झण्डा रोहण**

अर्धनग्न लाश झाड़ियों में फेंकी थी ■ बुलंदशहर में मां बोली- दरिंदा मारा गया, खुश हूं

स्कूली बच्ची से रेप-मर्डर का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर । यूपी के बुलंदशहर में 12 साल की स्कूली बच्ची से रेप और हत्या का आरोपी एनकाउंटर में मारा गया। रविवार सुबह 4 बजे पुलिस का आरोपी से आमना-सामना हो गया। रुकने को कहने पर फायरिंग करने लगा। जवाबी फायरिंग में पेट-सीने में गोली लगने से ढेर हो गया।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी मोनू जाटव ने बच्ची को घर के बाहर से उठाया। रेप के बाद उसकी हत्या कर दी थी। चेहरे, कंधे, हाथ, पेट, छाती और पैरों पर वार किए थे, फिर

मोनू
आरोपी

अर्धनग्न शव झाड़ियों में फेंककर भाग गया था। CCTV में आरोपी मोनू (35) बच्ची को लेकर जाता दिखा था। तब से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।

मुठभेड़ जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर गुलावठी थाना क्षेत्र में हुई। मोनू ने पुलिस टीम पर 12 राउंड फायर किए। मोनू पर 24 घंटे पहले ही एडीजी भानु प्रताप ने 50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। उसके खिलाफ चोरी, मारपीट और पॉक्सो एक्ट जैसी धाराओं में 7 मुकदमे दर्ज थे।

जिस बच्ची की रेप के बाद हत्या हुई थी, उसकी मां ने मोनू के एकाउंटर पर कहा -हमें बहुत खुशी है कि उस दरिंदे को मार गिराया गया। प्रशासन ने मेरी बेटी को न्याय दिलाया। हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे की सुरक्षा हो। जो मेरी बच्ची के साथ हुआ, वह किसी की बच्चे के साथ न हो।

आरोपी मोनू बुलंदशहर के फतेहपुर जादौन का रहने वाला था। उसके माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। उसकी बहन की शादी हो चुकी है। मोनू आपराधिक प्रवृत्ति का था, इसलिए परिवार ने उससे दूरी बना ली थी। उसकी शादी नहीं हुई थी। वारदात की सूचना पर एसएसपी दिनेश कुमार पहुंचे थे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया था। कहा था- आरोपी को जल्द से जल्द पकड़ा जाएगा।

घर से 2 किमी दूर मिला था बच्ची का शव

बच्ची का परिवार ककोड़ थाना क्षेत्र में रहता है। पिता किसान हैं। बच्ची के अलावा परिवार में एक बेटा और एक बेटी है। बच्ची चौथी कक्षा में पढ़ती थी। 1 अगस्त को दोपहर 3 बजे वह किसी काम से घर से निकली थी। इसके बाद वह नहीं लौटी। बच्ची के घर नहीं लौटने पर परिजन परेशान हुए। वे उसे हर संभव जगह ढूंढ़ते रहे। रात 8 बजे ग्रामीणों ने बच्ची के घर से 2 किमी दूर वैर रेलवे स्टेशन के पास झाड़ियों में शव देखा। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। कुछ देर बाद परिजन भी पहुंचे और शव की पहचान लापता छात्रा के रूप में की। छात्रा के चेहरे पर गंभीर चोट के निशान थे।

■ पूरे शरीर पर नोंचने और धारदार हथियार से काटने के निशान मिले थे।

बिना नंबर प्लेट की बाइक से आते दिखे बदमाश

एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया- रविवार तड़के स्वाट टीम और स्थानीय पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की बाइक पर सवार दो बदमाशों को रोकने की कोशिश की गई। पकड़े जाने के डर से बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में मोनू के सीने और पेट में एक-एक गोली लगी। पुलिस उसे अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ के दौरान मोनू का एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में कर रही है। पुलिस ने मौके से पिस्टल, दो मैगजीन, कारतूस और बिना नंबर प्लेट की बाइक बरामद की।

बड़े भाई ने छोटे भाई की गोली मारकर हत्या की

रामपुर में खेत पर तड़पता छोड़ फरार हुए

तमसा संकेत, एजेंसी

शाहबाद। रामपुर में एक छोटी भाई की बड़े भाई ने गोली मारकर हत्या कर दी है। मई, 2026 में छोटे भाई ने अपनी बेटी के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए गांव के ही एक युवक पर मुकदमा दर्ज करवाया था। आरोप है कि बड़े भाई इस मुकदमे को वापस लेने का दबाव बना रहे थे। रविवार सुबह करीब 9 बजे वह दोनों पक्षों को गांव के एक खेत में स्थित ट्यूबवेल पर बुलाए थे। यहां पर दोनों पक्षों में बातचीत हो रही थी। बेटे का आरोप है- बात न बनने पर नाराज होकर बड़े भाई ने उसके पिता पर अवैध असलहे से फायरिंग कर दी। इसके बाद छोटे भाई को खेत पर खून से लथपथ छोड़कर फरार हो गए। मामला रविवार दोपहर शाहबाद थाना क्षेत्र

राजेश, मृतक

के लोधीपुर गांव का है। मृतक के बेटे ने थाने में 10 लोगों के हत्या की शिकायत की है। मृतक की पहचान गांव निवासी राजेश (45) के रूप में हुई है। मृतक के बेटे रोहित (15) ने बताया कि उसके पिता ने 22 मई, 2026 में उसकी बहन के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए गांव के ही एक युवक पर केस दर्ज करवाया था। उसके पिता के बड़े भाई राजेंद्र जो पूर्व में प्रधान रह चुके हैं। इस मामले में सुलह करने के लिए दबाव बना रहे थे। हालांकि, पिता राजेश इस पक्ष में नहीं थे।

फास्ट न्यूज

थाने में जहर पीकर जान देने की कोशिश

बाराबंकी। बाराबंकी में असंद्रा थाने रविवार को एक युवक ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या की कोशिश की। गंभीर हालत में उसे रविवार दोपहर करीब 3 बजे लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि दबंगों द्वारा प्रताड़ना की शिकायत लेकर युवक थाने पहुंचा था, लेकिन पुलिस ने उसकी सुनवाई नहीं की। हालांकि, पुलिस ने आरोपों को खारिज किया।

मुरादाबाद में तेंदुओं के डर से घरों में कैद लोग

मुरादाबाद। "तीन दिन पहले तेंदुए ने एक महिला को नोंचकर मार डाला, एक किसान को घायल कर दिया। गुरुवार दोपहर 2 बजे दो तेंदुए घूमते हुए देखे गए। वन विभाग के कर्मचारी वहीं थे।शाम लगभग 7.30 बजे तीसरा तेंदुआ भी आ गया। ये तीनों तेंदुए रात 9 बजे तक आराम से बैठे रहे। समझ नहीं आ रहा कि ये वन विभाग वाले इस 'लालापुर' में तेंदुए पकड़ रहे या पाल रहे हैं।'' ये बातें मुरादाबाद के लालापुर गांव के महिपाल सिंह ने कहीं। दरअसल, जिम कॉर्बेट के बफर जोन में आने वाले उत्तराखंड की सीमा से सटे मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा इलाके में 3-4 तेंदुओं ने पिछले 10 दिनों से आतंक मचा रखा है।

आगरा-दिल्ली हाईवे पर बाइक सवारों को रौंदा

आगरा। आगरा के थाना सिकंदरा क्षेत्र में आगरा-मथुरा हाईवे पर भगवती ढाबे के समीप शुक्रवार देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवक अरतौनी स्थित अनुसंधान केंद्र में रात्रि ड्यूटी कर बाइक से अपने घर लौट रहे थे।

हादसे की सूचना मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। शनिवार को दोनों युवकों की अर्थियां एक साथ उठीं तो अटूस गांव में मातम छा गया।

आवारा सांड ने युवक के पेट में घोंपा सींग, मौत

इटावा में सब्जी खरीदते समय कई बार जमीन पर पटका

तमसा संकेत, एजेंसी

इटावा। इटावा में रविवार को एक आवारा सांड के हमले से 33 वर्षीय सब्जी विक्रेता की मौत हो गई। सांड ने युवक के पेट में पहले सींग घोंपा फिर कई बार जमीन पर पटका। जिसके बाद युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर वहां मौजूद लोगों ने सांड को भागाया और उसे घर पहुंचाया। घर पहुंचने पर उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर विधिक कार्यवाही शुरू की। परिजनों ने बताया- वह साइकिल से गांव-गांव घूमकर सब्जी बेचकर परिवार का भरण-पोषण करते थें। पूरी घटना बकेवर थाना क्षेत्र की लखना सब्जी मंडी की है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम नगला खादर निवासी अमर कुमार पुत्र रूपराम दोहरे रविवार सुबह करीब 9 बजे लखना सब्जी आढ़तों से सब्जी

मृतक,अमर

खरीदने गए थे। इसी दौरान एक आवारा सांड ने उन पर हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पहले युवक के पेट में सींग घुसेड़ दिया, फिर जमीन पर कई बार पटक दिया। जबतक मौजूद लोग भगाने का प्रयास किए कि सांड ने उन्हें गंभीर घायल कर दिया। इस घटना से सब्जी मंडी में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

स्थानीय दुकानदारों और अन्य लोगों की मदद से घायल अमर कुमार को उनके घर ले जाया गया। परिजन उन्हें जिला अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहे थे, तभी घर पर ही उनकी मौत हो गई।

बोलीं- आईपीएस के पिता ने हमला करवाया, मेरी जमीन कब्जाना चाहते हैं

सीतापुर में महिला के घर 25 राउंड फायरिंग, बाहर खींचकर धमकाया

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर । सीतापुर में रविवार दोपहर जमीन विवाद में महिला के घर पर 20 से 25 राउंड फायरिंग की गई। महिला का आरोप है करीब 24-25 हथियारबंद लोग आए और ताबड़तोड़ गोली चलाने लगे। मुझे बाहर खींचकर हत्या की धमकी दी।

महिला ने आईपीएस के पिता पर गोली चलवाने का आरोप लगाया है। कहा- मेरी जमीन कब्जा करना चाहते हैं। वहीं NH-30 किनारे हुई फायरिंग से गाजीपुर बाजार में दहशत फैल गई।

पुलिस ने मौके से खोखे बरामद किए हैं। कुछ संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामला महोली कोतवाली क्षेत्र के अढ़ौरी बाईपास मोड़ के पास का है।

■ यह पीड़ित महिला का घर है। आरोप है यहीं आकर बदमाशों ने फायरिंग की।

शोभना के अनुसार, रविवार दोपहर 2 बजे डीसीएम में सवार होकर करीब 24-25 लोग असलहों के साथ उनके घर पहुंचे। घर के बाहर पहुंचते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। घटना के समय शोभना घर पर अकेली थीं। उनके पति और बच्चे देवरिया गांव गए हुए थे। फायरिंग की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से खोखे बरामद किए और कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। घटना के बाद आसपास के लोगों में भी दहशत का माहौल रहा।

इंस्पेक्टर जेबी पांडेय ने बताया- महिला ने लिखित शिकायत दी है। केस दर्ज किया जाएगा। मौके से पुलिस को खाली खोखे मिले हैं। फायरिंग समेत सभी आरोपों की जांच कर रहे हैं। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

2018 में जमीन का बैनामा कराने का दावा

अढ़ौरी बाईपास निवासी मुनीश की पत्नी शोभना शुक्ला के मुताबिक, वह मूल रूप से देवरिया गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने साल 2018 में अढ़ौरी बाईपास पर 19 बिसुआ जमीन का बैनामा कराया था। जमीन के एक हिस्से पर मकान बनाकर वह परिवार के साथ रह रही हैं। वहीं बाकी जमीन पर उनका ही कब्जा है।

दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर विवाद

शोभना ने बताया- कैमहरा गांव निवासी मयंक बाजपेई IPS अफसर हैं। वह झारखंड में ट्रेनी आईपीएस के रूप में तैनात हैं। इसी जमीन को लेकर आईपीएस मयंक के पिता विपिन बाजपेई ने 2022 में बैनामा कराया था। इसके बाद से दोनों पक्षों में विवाद चल रहा है। शोभना के अनुसार, करीब 2 महीने पहले महोली तहसील में जमीन को लेकर फैसला उनके पक्ष में आया था। इसके बावजूद दूसरे पक्ष के लोग जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं।

आगरा में अपने दोस्त के साथ रील बना रहा था, पिता बोले- हत्या की गई

एयरगन से प्राइवेट पार्ट में लगी गोली, छात्र की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में एयरगन की गोली लगने से 12वीं के छात्र की मौत हो गई। छात्र शनिवार शाम करीब 5 बजे ट्यूशन पढ़ने के लिए पड़ोस के निर्माणाधीन मकान में गया था। वहां जंगली जानवरों से बचाव के लिए एयरगन रखी थीं।

छात्र और उसके दोस्त एयरगन से रील बनाने लगे। इसी दौरान एक दोस्त से गलती से ट्रिगर दब गया। गोली छात्र के प्राइवेट पार्ट में लगी। वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा।

गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग और परिवार वाले मौके पर पहुंचे। छात्र को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना पिनाहट थाना क्षेत्र की

मोहित
मृतक

है। शाम 5 बजे तक वहां छह छात्र पहुंचे थे। सभी एयरगन हाथ में लेकर रील बनाने लगे। इसी दौरान एक दोस्त से गलती से एयरगन का ट्रिगर दब गया। गोली मोहित के प्राइवेट पार्ट में लगी और वह फर्श पर गिर पड़ा। गोली की आवाज सुनकर उसके घरवाले और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। घरवाले मोहित को फतेहाबाद के एक निजी अस्पताल ले गए। वहां से उसे आगरा रेफर कर दिया गया। इसके बाद उसे एसएन मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। मोहित के पिता विनोद ने बताया कि मोहित गणित की ट्यूशन पढ़ने गया था। करीब 15 दिन पहले स्कूल में एक छात्र से उसका झगड़ा हुआ था। उस छात्र ने मोहित को 'देख लेने' की धमकी दी थी। ट्यूशन के दौरान वही छात्र मोहित को उस कमरे में ले गया, जहां एयरगन रखी थी। मोहित ने उसे एयरगन चलाने से मना किया, लेकिन इसी दौरान छात्र ने गोली चला दी।

घटना की सूचना पर एसीपी अनिल कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल परिजनों की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

■ घटना के बाद से घर की महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल है।

ट्यूशन पढ़ने पड़ोस के मकान में गया था

पिनाहट के बसई अरेला गांव निवासी विनोद प्रजापति किसान हैं। उनका 16 वर्षीय बेटा मोहित इंटर का छात्र था। मोहित चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर था। उसका एक छोटा भाई और दो बहनें हैं। वह पड़ोसी ओम शर्मा के बेटे आकाश से ट्यूशन पढ़ता था। आकाश अपने निर्माणाधीन मकान में करीब 15 छात्रों को ट्यूशन पढ़ाता है। मकान के एक कमरे में कुछ शिकारी ठहरे हुए थे। उन्होंने नीलगाय और जंगली सुअरों जैसे जानवरों को भगाने के लिए वहां एयरगन रखी थीं। मोहित शनिवार शाम करीब 4:30 बजे ट्यूशन पढ़ने के लिए घर से निकला।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगने वाला गैंग पकड़ा

देशभर से 100 से ज्यादा शिकायतें मिलीं

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के ताजगंज थाना क्षेत्र में चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर का पुलिस ने खुलासा किया है। आरोपी सुरक्षा कंपनी में नौकरी दिलाने के नाम पर देशभर के लोगों से ठगी कर रहे थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी कंपनी के नाम से विज्ञापन देकर बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाया जाता था। पुलिस ने गैंग के 4 लोगों को पकड़ा है। इसमें दो युवक और दो युवतियां हैं।

डीसीपी आदित्य कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि ताजगंज क्षेत्र में नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी करने वाला गैंग काम कर रहा है। ये लोग भोले भाले लोगों को अच्छा वेतन दिलाने के नाम पर फंसाते हैं। फिर इनसे रजिस्ट्रेशन फीस के नाम पर रकम वसूलते थे। इसके बाद उन्हें अलग-अलग पदों का लालच देकर अतिरिक्त पैसे मांगे जाते

थे। जब पीड़ित पूरी तरह झांसे में आ जाते थे, तब फाइनल ज्वाइनिंग लेटर जारी करने के नाम पर भी मोटी रकम ऐंठी जाती थी। पुलिस के अनुसार, इस गिरोह ने स्थानीय स्तर पर दो लड़कियों को भी नौकरी पर रखा हुआ था, जो कॉलिंग और कस्टमर हैंडलिंग का काम करती थीं। इनके जरिए ही देशभर के लोगों से संपर्क किया जाता था। जांच में यह भी सामने आया है कि अब तक 100 से ज्यादा शिकायतें विभिन्न राज्यों से प्राप्त हो चुकी हैं, जबकि करीब 3000 लोगों को ठगी का शिकार बनाने का दावा किया जा रहा है। आगरा में ये लोग दो साल से ये काम कर रहे थे।

पृष्ठ 01 का शेष...

समाजवादी पार्टी के ...

2017 से पहले सपा सरकार कांवड़ यात्रा तक निकालने नहीं देती थी। भाजपा सरकार ने कांवड़ यात्रियों को सुरक्षा दी और उनके स्वागत की व्यवस्था की। आज गाजियाबाद से हरिद्वार के बीच लाखों शिवभक्त यात्रा कर रहे हैं। अब यूपी में कर्फ्यू और दंगा नहीं है। हर व्यक्ति अपने काम-धंधे में लगा है। बेटी और व्यापारी की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। पिछले 9 साल में प्रदेश में कोई बड़ा सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ। त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिद्धार्थनगर में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़ी परियोजनाओं को गति दी जा रही है। बांसी-बितवल मार्ग के लिए करीब 28 करोड़ रुपए, डुमरियागंज क्षेत्र के बदरिया-बढ़नी चंपा मार्ग के लिए 24.58 करोड़ रुपए समेत अन्य सड़कों के निर्माण और मरम्मत के लिए धन स्वीकृत किया गया है।

गोरखपुर से सिद्धार्थनगर होते हुए बड़े आर्थिक कॉरिडोर और अन्य राष्ट्रीय मार्गों से जिले को जोड़ने की दिशा में भी काम चल रहा है। योगी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि सिद्धार्थनगर सिर्फ आकांक्षी जिला न रहे, बल्कि विकास, रोजगार और निवेश के मामले में प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल हो।

कांग्रेस पर काकोरी ...

योगी ने सिद्धार्थनगर में मेडिकल कॉलेज, काला नमक चावल और कपिलवस्तु के विकास का जिक्र किया। कहा कि वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट के तहत काला नमक चावल को बढ़ावा दिया जा रहा है। कपिलवस्तु में बुद्ध थीम पार्क और विपश्यना केंद्र के लिए भी काम किया जा रहा है।

जेन-जी आंदोलन के...

इन 7 चुनावी राज्यों में करीब 22% मतदाता 18 से 29 साल की उम्र के हैं। ऐसे में युवा वोट किसी भी पार्टी के चुनावी समीकरण को बदल सकता है।

चुनाव वाले 7 राज्यों में अगर पिछले विधानसभा चुनाव के आंकड़े देखें तो कुल 940 सीटों में 257 सीटें (27%) ऐसी थीं, जहां जीत का अंतर 5% या उससे कम था।

उत्तर प्रदेश की 403 में से 131 सीटें ऐसी थीं, जहां जीत का मार्जिन 5% से कम था। गुजरात की 182 में से 27, पंजाब की 117 में से 24, उत्तराखंड की 70 में से 15 और हिमाचल की 68 में से 14 सीटों पर भी वोट मार्जिन 5% से कम था। इस आधार पर कह सकते हैं कि अगर 22% जेन-जी वोटर्स में से 5% भी एकजुट होकर किसी पार्टी के पाले में चले गए तो इन राज्यों में सियासी समीकरण पूरी तरह बदल सकते हैं।

यही वजह है कि राजनीतिक दल अब अपनी पूरी रणनीति जेन-जी वोटर्स के इर्द-गिर्द बुनने में लग गए हैं। भाजपा, कांग्रेस और सपा ने इसकी मुहिम शुरू कर दी है।

जेपीएससी के तीन ...

इससे पहले जांच एजेंसी जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व मुख्य सचिव एल. खियांग्ते से चार चरणों में पूछताछ कर चुकी है। इस दौरान उनसे परीक्षा प्रक्रिया और आयोग की ओर से लिए गए फैसलों को लेकर कई अहम सवाल किए गए थे।

14वीं जेपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में कथित गड़बड़ी की जांच के बीच सीआईडी की कार्रवाई तेज है। पांच दिन की रिमांड के दूसरे दिन शनिवार को मुख्य सचिव कार्यालय के कंप्यूटर ऑपरेटर धर्मेंद्र कुमार और परीक्षा कराने वाली एजेंसी टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड के अकाउंटेंट रक्षक सिंह से पूछताछ जारी रही। जांच टीम दोनों से परीक्षा संचालन, कथित अनियमितताओं और संबंधित लोगों के बीच संपर्क को लेकर जानकारी जुटा रही है। सूत्रों के मुताबिक पूछताछ और जांच से मिले सुरागों के आधार पर आने वाले दिनों में कुछ और लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है। झारखंड सरकार के पैनल ने कहा कि छात्रों की ज्यादातर मांगों पर सहमति बन चुकी है। इसके बावजूद आंदोलन वापस नहीं लेना दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार ने छात्रों से बातचीत के जरिए समाधान निकालने और कल मार्च न करने की अपील की है। अजिता भट्टाचार्य, अनीमा हांसदा और जमाल अहमद के इस्तीफे स्वीकार होने के बाद जेपीएससी में इन तीनों सदस्यों के पद खाली हो गए हैं। अब इन पदों पर नियुक्ति को लेकर आगे की प्रक्रिया सरकार और राजभवन के स्तर पर तय की जाएगी।

मेरी गाड़ी पर बड़े-बड़े ...

दरअसल, रैली बारुईपुर में 11 साल की बच्ची के साथ रेप-मर्डर के विरोध में निकाली जा रही थी। इस दौरान चोर-चोर के नारे लगने लगे और कुछ लोगों ने रैली में शामिल लोगों पर अंडे फेंकने शुरू कर दिए। टीएमसी ने आरोप लगाया कि हंगामा भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया। इस दौरान मारपीट भी की। ममता ने कहा कि बंगाल में अराजकता फैल गई है। पुलिस भाजपा कार्यकर्ताओं की तरह काम कर रही है। 4 मई को बंगाल विधानसभा में रिजल्ट वाले दिन ममता बनर्जी ने काउंटिंग सेंटर से बाहर निकलने पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा कि काउंटिंग सेंटर के अदंर उनपर हमला किया गया। उन्हें मारा गया और धक्का दिया गया। ममता ने कहा कि CCTV कैमरे बंद कर दिए गए थे। ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद भी उनकी Z+ सुरक्षा बरकरार है। मई 2026 में पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद उनके आवास के बाहर की अतिरिक्त पुलिस व्यवस्था कम की गई थी, लेकिन Z+ सुरक्षा हटाई नहीं गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ममता बनर्जी की Z+ सुरक्षा में करीब 55 कर्मियों का सुरक्षा घेरा रहता है।

पार्टी कार्यकर्ता की संदिग्ध मौत की वजह भीड़ गुस्से में थी. मृतक कार्यकर्ता के परिवार वालों ने स्थानीय पुलिस पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं. परिवार का कहना है कि पुलिस हिरासत के दौरान बेरहमी से पिटाई करने की वजह से उनकी मौत हुई है. इसी घटना के बाद से स्थानीय लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं के दिलों में पुलिस प्रशासन के खिलाफ भारी रोष सुलग रहा था, जो ममता बनर्जी के दौरे के वक्त खुलकर सामने आ गया.

जैसे ही हालात बिगड़ने लगे और भीड़ आक्रामक हो गई, मौके पर मौजूद सुरक्षा बलों और स्थानीय पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला. किसी तरह भीड़ को नियंत्रित करते हुए पुलिस ने सुरक्षा घेरा बनाया और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उस तनावपूर्ण इलाके से सुरक्षित बाहर निकालकर दूसरी जगह पहुंचाया. इस घटना के बाद से पूरे इलाके में राजनीतिक सरगर्मी काफी बढ़ गई है और प्रशासन पूरी एहतियात बरत रहा है.

देश में ई20 लागू...

ट्रम्प की पुलिस 24 घंटे में शेर को लेकर आ गई और पुतिन की पुलिस एक घंटे में शेर को खोज लाई। लेकिन, मोदीजी की पुलिस को कई दिन लग गए। तलाशी के दौरान पता चला कि वे एक कुत्ते को पकड़कर बुरी तरह पीट रहे थे और उससे कहलवाने की कोशिश कर रहे थे कि बोल मैं शेर हूं।

केजरीवाल ने कहा- मोदीजी ने आज देश की यही स्थिति कर दी है। 140 करोड़ लोगों को पीटा जा रहा है और उनसे कहा जा रहा है कि वे कहें- E20 सही है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय सोशल मीडिया पर मिश्रित ईंधन को लेकर किए जा रहे दावों पर लगातार जानकारी दे रहा है। मंत्रालय ने जून में कहा था कि एथेनॉल मिले पेट्रोल को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ भ्रामक और बिना सबूत वाले दावे फैलाए जा रहे हैं।

मंत्रालय ने कहा था कि एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम वैज्ञानिक जांच से प्रमाणित है और सरकार इसकी लगातार निगरानी कर रही है।

सरकार के अनुसार, अमेरिका, ब्राजील और जापान जैसे देशों में एथेनॉल मिश्रित ईंधन का सफलतापूर्वक उपयोग हो रहा है। ब्राजील में तो E27 लंबे समय से ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। भारत में 20% एथेनॉल और 80% पेट्रोल के इस मिश्रण (E20) का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं।

यू 20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का तीसरा पदक, तीसरे राउंड में 7.84 मीटर छलांग लगाई

शाहनवाज खान ने लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज जीता

जीत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय एथलीट शाहनवाज खान ने रविवार को अमेरिका के यूजीन में चल रही अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की छलांग लगाकर पोडियम स्थान हासिल किया।

18 साल के शाहनवाज इस चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाले तीसरे भारतीय हैं। उनसे पहले शनिवार को आशीष यादव ने जेवलिन थ्रो में और बासंत कुमार मेघवाल ने हाई जंप में सिल्वर जीता। इससे पहले बासंत कुमार मेघवाल ने हाई जंप में अपने बेस्ट प्रदर्शन के साथ सिल्वर मेडल जीता था। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के शहर अनूपगढ़ के 19 साल क मेघवाल ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पार की थी।

उन्होंने चैंपियनशिप के चौथे और अंतिम से एक पहले दिन शनिवार को यह उपलब्धि हासिल की। यह 2.21 मीटर की छलांग उनके करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। अल्जीरिया के यूनेस अयाची ने गोल्ड और ग्रेट ब्रिटेन के ओटिस पूल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

इटली के इंजोली ने 7.97 मीटर की छलांग के साथ गोल्ड और ऑस्ट्रेलिया के मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर के साथ सिल्वर मेडल जीता।

तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की छलांग

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने रविवार को पोस्ट कर लिखा, शाहनवाज ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारत के लिए पदक संख्या तीन।

फेडरेशन ने आगे लिखा, यह जुझारूपन से भरी प्रतियोगिता थी। शुरुआत में पीछे रहने के बाद शाहनवाज ने पूरी ताकत लगाई। उन्होंने तीसरे राउंड में शानदार 7.84 मीटर की छलांग लगाई और पांचवें राउंड में 7.83 मीटर के साथ इसे मजबूत किया।

शाहनवाज खान ने तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की छलांग लगाकर ब्रॉन्ज जीता।

अश्मिता चालीहा ने कोरिया मास्टर्स जीता

बैडमिंटन फाइनल में चीन की खिलाड़ी को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अश्मिता चालिहा ने रविवार को कोरिया मास्टर्स सुपर 300 महिला सिंगल्स का खिताब जीता। उन्होंने 53 मिनट चले फाइनल मुकाबले में चीन की चौथी सीड हान कियान शी को हराया। उन्होंने 14-21, 21-14, 21-14 से जीत दर्ज कर अपना पहला BWF वर्ल्ड टूर खिताब जीता। भारत ने लगातार दूसरा BWF वर्ल्ड टूर फाइनल का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले तन्वी शर्मा ने पिछले रविवार यानी 2 अगस्त को ताइपे ओपन जीता था।

अश्मिता ने मैच की शुरुआत में 3-0 की बढ़त बनाई। वह शुरुआती दौर में 9-5 से आगे थीं। इसके बाद हान ने वापसी की और दोनों खिलाड़ी 11-11 की बराबरी पर पहुंच गईं। चीनी खिलाड़ी ने लगातार

अंक जुटाकर खेल पर कंट्रोल बनाया। हान ने पहला गेम जीतकर बढ़त हासिल की।

अश्मिता ने दूसरे गेम में आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने स्मैश से हान पर दबाव बनाया और तेज डिफेंसिव रिटर्न से 6-6 के बाद बढ़त बना ली। ब्रेक के समय अश्मिता 11-8 से आगे थीं। इसके बाद भी उन्होंने रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखा। हान अंतर कम नहीं कर सकीं और अश्मिता 17-10 से आगे हो गईं। भारतीय खिलाड़ी ने एक और तेज अटैकिंग शॉट के साथ गेम 21-14 से जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया।

गिल वॉर्मअप मैच के तीसरे दिन बैटिंग करने उतरे

भारत को 207 रन का टारगेट दिया

भारत के कप्तान शुभमन गिल उंगली की चोट के तीन दिन बाद पहली बार बल्लेबाजी करने उतरे। उन्होंने रविवार को कोलंबो के नॉनडेस्क्रिप्ट्स क्रिकेट ग्राउंड में श्रीलंका क्रिकेट XI के खिलाफ तीन दिवसीय वॉर्मअप मैच के तीसरे दिन बैटिंग करने उतरे हैं।

भारत ने दिन का खेल शुरू होने से पहले अपनी पहली पारी 357/6 के स्कोर पर घोषित कर दी थी। इसके जवाब में श्रीलंका क्रिकेट XI ने अपनी दूसरी पारी 200/6 के स्कोर पर घोषित की और भारत के सामने 207 रन का लक्ष्य रखा। इससे पहले श्रीलंका-XI ने पहली पारी में 363/8 का स्कोर बनाया था। वॉर्मअप मैच शुरू होने से एक दिन पहले गुरुवार को ट्रेनिंग के दौरान गिल की उंगली में चोट लगी थी। इसके बाद वे मैच के पहले दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। BCCI

ने अपने बयान में कहा था, गुरुवार को भारत के प्रैक्टिस सेशन के दौरान कप्तान शुभमन गिल की दाहिनी हाथ की उंगली में चोट लगी। एहतियात के तौर पर वे श्रीलंका क्रिकेट XI के खिलाफ अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे।

गिल की गैरमौजूदगी में KL राहुल ने कप्तान की भूमिका निभाई। गिल भारत की पहली पारी में बल्लेबाजी करने नहीं उतरे।भारत की ओर से बाएं हाथ के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने नाबाद 142 रन की पारी खेली।

भारत ने पहली पारी में 90 ओवर में 6 विकेट पर 357 रन बनाकर पारी घोषित की। देवदत्त पडिक्कल ने 142 रन की नाबाद पारी खेली। रवींद्र जडेजा ने 63, केएल राहुल ने 40, मानव सुथार ने 41 और गुनूर बरार ने नाबाद 36 रन बनाए। श्रीलंका-XI की ओर से रमेश मेंडिस और असंका मनोज ने 2-2 विकेट लिए, जबकि विश्वा फर्नांडो और केशारा नुवान्था को एक-एक सफलता मिली।

अगले सप्ताह गॉल में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप अभियान फिर शुरू होने से पहले भारत को कई चोटों का सामना करना पड़ा है।

13 साल की उम्र में मेसी को बार्सिलोना ले गए, दो दशक तक उनके एजेंट रहे

लियोनेल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी

अर्जेंटीना के फुटबॉलर लियोनेल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का 68 साल की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। पिछले कुछ महीनों से उनका इलाज चल रहा था। मेसी के बचपन के क्लब न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज ने शनिवार को उनके निधन की पुष्टि की। क्लब ने शोक जताते हुए उन्हें मेसी के करियर की सबसे मजबूत ताकत बताया। जॉर्ज सिर्फ मेसी के पिता नहीं थे। वे दो दशक से ज्यादा समय तक उनके एजेंट और सलाहकार भी रहे। बार्सिलोना, PSG और इंटर मियामी जैसे बड़े क्लब ट्रांसफर में उनकी अहम भूमिका रही।

जून में मेसी परिवार ने बताया था कि जॉर्ज स्वास्थ्य संबंधी समस्या से

जूझ रहे हैं। वे डॉक्टरों की निगरानी में थे। परिवार ने मीडिया से अफवाहें न फैलाने और प्राइवेसी का सम्मान करने की अपील भी की थी।

जॉर्ज अर्जेंटीना के रोसारियो में स्टील फैक्ट्री में काम करते थे। शुरुआती दिनों में उन्होंने मेसी को स्थानीय क्लब में ट्रेनिंग भी दी।

जब मेसी में ग्रोथ हार्मोन डिफिशिएंसी का पता चला, तब इलाज का खर्च उठाना मुश्किल था। ऐसे में जॉर्ज 13 साल के मेसी को लेकर बार्सिलोना पहुंचे। बार्सिलोना ने ला मासिया अकादमी में दाखिला दिया। इलाज का खर्च भी क्लब ने उठाया। इसके बाद जॉर्ज हर कदम पर बेटे के साथ रहे। 2023 में बार्सिलोना अध्यक्ष जोआन लापोर्टा को भी जॉर्ज ने ही मेसी के इंटर मियामी जाने का फैसला बताया था। 2026 फीफा वर्ल्ड कप के दौरान भी जॉर्ज की तबीयत चर्चा में रही। अल्जीरिया के खिलाफ गोल करने के बाद भावुक हुए मेसी ने कहा था कि पिछले कुछ दिन उनके लिए बेहद मुश्किल रहे हैं। बाद में परिवार ने बयान जारी कर बीमारी की पुष्टि की।

क्लब ने आधा झंडा झुकाया

न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज ने श्रद्धांजलि में क्लब का झंडा आधा झुका दिया। क्लब ने कहा, जॉर्ज और उनकी पत्नी सेलिया ने मेसी के हर सफर में साथ दिया। बचपन की ट्रेनिंग से लेकर वर्ल्ड फुटबॉल के टॉप तक पहुंचने में जॉर्ज का योगदान रहा।

लियोनेल मेसी पिता जॉर्ज के साथ।

> **मेसी के प्रोफेशनल करियर की शुरुआत से ही जॉर्ज उनके एजेंट रहे। उन्होंने बार्सिलोना के बड़े कॉन्ट्रैक्ट, 2021 में क्लब छोड़ने की प्रक्रिया, पीएसजी और बाद में इंटर मियामी ट्रांसफर तक सभी अहम बातचीत संभाली।**

मनोरंजन

सलमान खान के रियलिटी शो पर 'लॉक अप' विनर का शॉकिंग बयान

बिग बॉस 20 में होगी श्रेया कालरा की एंट्री?

नई दिल्ली। सुपरस्टार सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 20 के आधिकारिक एलान हो गया है। नए सीजन में शामिल होने वाले कंटेस्टेंट्स को लेकर तरह-तरह की रिपोर्ट सामने आ रही हैं। खबर ये भी आई कि बिग बॉस 20 में शामिल होने को लेकर रेस में श्रेया कालरा का नाम भी बना हुआ है।

जिन्होंने हाल ही में लॉक अप सीजन 2 को जीता है। अब श्रेया कालरा की तरफ से स्पष्टीकरण आ गया है। ऐसे में आइए जानते हैं कि श्रेया क्या आपको सलमान के बिग बॉस 20 में नजर आएंगी या नहीं।

बिग बॉस 20 का फैंस बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जब से सलमान

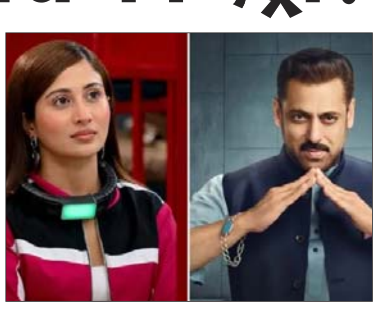

खान के इस रिलियिटी शो का प्रोमो वीडियो सामने आया है, तब से फैंस की एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर है। ऐसा माना जा रहा था कि रितेश देशमुख और फराह खान के रियलिटी शो लॉक अप को जीतने वालीं श्रेया कालरा भी बिग बॉस 20 का हिस्सा बन सकती हैं। इस मामले को लेकर अब श्रेया तस्वीर साफ कर दी और बताया है कि वह सलमान खान के रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनेंगी। अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वॉइस नोट के जरिए श्रेया कालरा ने कहा है-अभी-अभी एक पागलखाने से बाहर आई हूं और तुरंत ही इस तरह से रिलियिटी शो का हिस्सा बनने के लिए मैं मानसिक तौर पर तैयार नहीं हूं। हां अगर किसी और शो में गैंगलीडरशिप का कुछ ऑफर आता है तो मैं उसके लिए एक्साइटेड हूं।

इस तरह से श्रेया कालरा ने बिग बॉस 20 को लेकर अपनी राय रखी है और शो का हिस्सा बनने से साफ इनकार कर दिया है। बता दें कि लॉक अप 2 को जीतने के बाद श्रेया को करोड़ का कैश प्राइज और एक चमचमाती ट्रॉफी मिली है।

एक्ट्रेस चार्ली चौहान ने क्रिकेटर रमनदीप सिंह से की शादी

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस चार्ली चौहान ने कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के क्रिकेटर रमनदीप सिंह से शादी कर ली है। दोनों ने 7 गुरुद्वारे में सिख रीति-रिवाज से शादी की। इस शादी में परिवार के लोग और नजदीकी दोस्त शामिल हुए। चार्ली और रमनदीप पिछले 8 सालों से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे, लेकिन उन्होंने अपने रिश्ते को मीडिया और फैंस से छिपाकर रखा था। शादी का आयोजन काफी सादगी से किया गया। शादी के दौरान रमनदीप ने क्रीम कलर की शेरवानी और मेहरून पगड़ी पहनी थी, जबकि चार्ली मेहरून रंग के ट्रेडिशनल लहंगे और हैवी ज्वेलरी में नजर आईं। दोनों की शादी की तस्वीरें सामने आने के बाद भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल समेत टीवी और क्रिकेट जगत की हस्तियों ने उन्हें बधाई दी।

बोलीं- जो अपनी पत्नी को सम्मान नहीं दे सकता, वो इंडस्ट्री में किसी को क्या इज्जत देगा

निरहुआ-आम्रपाली पर भड़कीं काजल राघवानी

नई दिल्ली। भोजपुरी बवाल शो में भोजपुरी स्टार्स में जारी जुबानी जंग के बीच अभिनेत्री काजल राघवानी ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' और आम्रपाली दुबे पर तीखा हमला बोला है। काजल ने निरहुआ के अपनी पत्नी को लेकर दिए गए हालिया बयान पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जो इंसान अपने संघर्ष के दिनों में साथ देने वाली पत्नी का सम्मान नहीं कर सकता, वह किसी और की क्या इज्जत करेगा।

इसके साथ ही काजल ने आम्रपाली दुबे के करियर, नीलम गिरी के बयानों और अपनी अंग्रेजी

को लेकर बनाए जा रहे मजाक पर भी अपनी बात रखी।

इस विवाद की शुरुआत भोजपुरी बवाल शो के दौरान कलाकारों द्वारा एक-दूसरे के करियर, पर्सनल लाइफ और काम न देने के आरोपों से हुई थी।

काजल राघवानी ने सोशल मीडिया लाइव में निरहुआ के उस इंटरव्यू का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने अपनी पत्नी मंशा

यादव के लिए कहा था कि प्यार नहीं करता, यह मेरा फर्ज है।₹ काजल ने कहा कि निरहुआ की पत्नी ने उनके मुश्किल दौर में साथ दिया।

लगातार तस्वीरें लेने से हुईं अनकंफर्टेबल, दोस्त अलेक्जेंडर ने भीड़ से बचाया

पैपराजी पर भड़कीं हार्दिक की एक्स-वाइफ नताशा स्टेनकोविक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या की एक्स-वाइफ नताशा स्टेनकोविक पैपराजी पर भड़क गईं। यह घटना शनिवार रात हुई, जब नताशा को मुंबई के जुहू इलाके में स्पॉट किया गया था। नताशा अपने करीबी दोस्त और मॉडल अलेक्जेंडर एलेक्स इलिक के साथ नजर आईं। पैपराजी ने उन्हें कैमरे में कैद करने के लिए घेर लिया और लगातार तस्वीरें लेने लगे। इस दौरान नताशा असहज नजर आईं। वह पैपराजी के लगातार तस्वीरें लेने और प्राइवेसी में दखल देने से नाराज दिखीं।

दरअसल, लैंड रोवर मुंबई के इंस्टाग्राम पेज पर तस्वीरें और वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया था, 'हार्दिक पंड्या ने एक बार फिर अपनी डिफेंडर खरीदने के लिए नवनीत मोटर्स को चुना।

भरोसे पर बना रिश्ता। उत्कृष्टता पर टिका फैसला। मुंबई में डिलीवर, लैंड रोवर डिफेंडर। अगस्त्य पंड्या और स्टेनकोविक को प्रेजेंट। दमदार परफॉर्मेंस के लिए तैयार। आगे बढ़कर नेतृत्व करने वालों के लिए बनाई गई।'बता दें कि हार्दिक ने दिसंबर 2025 में सोशल मीडिया पर अपनी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा की तस्वीरों को लेकर नाराजगी जताई थी। दरअसल, कुछ पैपराजी ने माहिका की फोटो गलत एंगल से क्लिक की, जब वह मुंबई के बांद्रा इलाके में एक रेस्टोरेंट की सीढ़ियों से नीचे उतर रही

हार्दिक ने 2020 में नताशा स्टेनकोविक से शादी की थी

बता दें कि हार्दिक ने मई 2020 में नताशा स्टेनकोविक से शादी की थी। उसी साल नताशा ने बेटे अगस्त्य को 30 जुलाई 2020 को जन्म दिया। साल 2024 में दोनों अलग हो गए। हार्दिक इन दिनों माहिका शर्मा को डेट कर रहे हैं। वहीं, हार्दिक पंड्या ने फरवरी के महीने में बेटे अगस्त्य पंड्या को एक लग्जरी कार गिफ्ट की थी। कार डिलीवरी के फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए थे। हार्दिक ने बेटे को लैंड रोवर डिफेंडर गिफ्ट की थी, जिसकी कीमत लगभग 4 करोड़ रुपए बताई गई थी।

वेलकम वाली कॉमेडी करेंगे अक्षय कुमार

15 साल बाद अनीस बज्मी संग होगी वापसी

नई दिल्ली। वेलकम फिल्म के जरिए अभिनेता ने अक्षय कुमार ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया था। इस कॉमेडी मूवी का डायरेक्शन अनीज बज्मी ने किया था। इस साल ये खबर सामने आई थी कि अक्षय और अनीस की जोड़ी एक और नई फिल्म के लिए साथ आ रही है।

अब इस अनटाइटल मूवी को लेकर लेटेस्ट अपडेट सामने आ रहा है, जो शूटिंग से जुड़ा है। साल 2011 में फिल्म थैंक यू की रिलीज के करीब 15 साल बाद हिंदी सिनेमा के खिलाड़ी अभिनेता अक्षय कुमार एक बार फिर फिल्मकार अनीस बज्मी के निर्देशन में काम कर रहे हैं। अनीस और अक्षय कि पिछली फिल्मों की तरह दोनों एक बार कॉमेडी और मनोरंजक फिल्म पर काम कर रहे हैं।

बाद में चीन के दूत से बात होगी, अगले दिन अमेरिकी अधिकारी से वन-टू-वन बैठक

नेपाल पीएम बालेन सोमवार को पहले भारतीय राजदूत से मिलेंगे

मुलाकात

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह सोमवार को सबसे पहले भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वे चीन के राजदूत झांग माओमिंग से बातचीत करेंगे। मंगलवार को शाह अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी स्कॉट अर्बोम से वन-टू-वन बैठक करेंगे।

काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री बनने के बाद यह पहली बार होगा, जब शाह किसी विदेशी राजदूत से अकेले में मिलेंगे। इससे पहले वे विदेशी राजदूतों के साथ सामूहिक बैठकों को प्राथमिकता देते रहे थे। नेपाल के भारत से लगे दक्षिणी इलाकों में पिछले हफ्ते सांप्रदायिक हिंसा फैल गई थी।

भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने 9 अप्रैल को नेपाल के PM बालेन शाह से काठमांडू में मुलाकात की थी।

नेपाल के भारत से लगे दक्षिणी इलाकों में पिछले हफ्ते सांप्रदायिक हिंसा फैल गई थी। शाह ने अमेरिकी अधिकारियों समीर पॉल कपूर और सर्जियो गोर से मुलाकात के अनुरोध भी स्वीकार नहीं किए थे। अमेरिकी विदेश विभाग की अंडर सेक्रेटरी सारा बी. रोजर्स

इन बैठकों में नेपाल के भारत, चीन और अमेरिका के साथ रिश्ते और मौजूदा मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

दो हफ्ते पहले होनी थी मुलाकात, हिंसा के बाद टली

शाह की इन राजनयिकों से मुलाकात करीब दो हफ्ते पहले तय थी, लेकिन सुनसरी और दूसरे जिलों में हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद इसे टाल दिया गया था।

अब सरकार ने दोबारा बैठकें तय की हैं। प्रधानमंत्री के एक सलाहकार के मुताबिक, संबंधित दूतावासों को मुलाकात का समय बता दिया गया है।

पहले विदेशी अधिकारियों से अकेले नहीं मिलते थे शाह

प्रधानमंत्री बनने के शुरुआती दौर में शाह ने विदेश मंत्री के स्तर से नीचे के विदेशी अधिकारियों से वन-टू-वन मुलाकात नहीं करने की नीति अपनाई थी। इसी वजह से भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री की 11-12 मई की नेपाल यात्रा भी विवादों के बीच टल गई थी। नेपाली अधिकारियों के मुताबिक, शाह का मिस्री से अकेले में मिलने से इनकार भी इसकी वजहों में शामिल था।

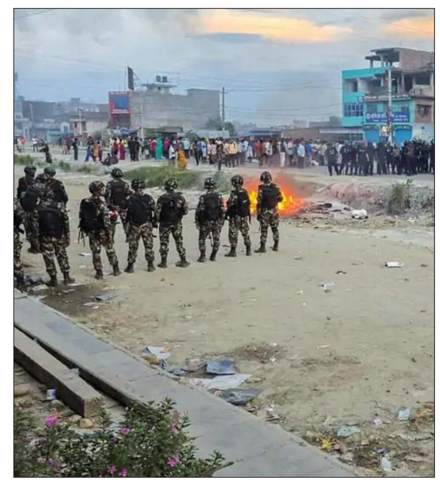

नेपाल के भारत से लगे दक्षिणी इलाकों में पिछले हफ्ते सांप्रदायिक हिंसा फैल गई थी।

भी नेपाल दौरे पर आई थीं, लेकिन उनकी शाह से मुलाकात नहीं हो सकी थी। इसके बजाय शाह ने 9 अप्रैल और 26 मई को काठमांडू में तैनात कई देशों के राजदूतों के साथ सामूहिक बैठकें की थीं। शाह की सामूहिक बैठकों की नीति को नेपाल के कई राजनयिकों और विदेश नीति के जानकारों ने संतुलित कदम बताया था। उनका मानना था कि इससे किसी एक देश को ज्यादा तवज्जो देने का संदेश नहीं जाता और सभी देशों के साथ बराबरी का व्यवहार दिखता है।

रोजाना इस्तेमाल होने वाली चीजें महंगी होंगी

बिस्किट से लेकर साबुन-तेल सबकी कीमतें बढ़ेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में जल्द ही रोजाना इस्तेमाल होने वाले सामान यानी FMCG प्रोडक्ट के दाम बढ़ सकते हैं। जियो-पॉलिटिकल तनाव के कारण कच्चे माल की लागत यानी इनपुट कॉस्ट लगातार बढ़ रही है। इसे देखते हुए देश की प्रमुख FMCG कंपनियां चालू यानी सितंबर तिमाही में अपने प्रोडक्ट्स की कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। इससे पहले पिछली यानी अप्रैल-जून तिमाही में कंपनियों ने औसतन 2 से 5% तक दाम बढ़ाए थे।

इस तिमाही यानी जुलाई-सितंबर में कंपनियां सीधे तौर पर रेट बढ़ाने के अलावा 'श्रिंकफ्लेशन' का सहारा ले रही हैं। यानी सामान की कीमत वही रहेगी, लेकिन पैकेट में उसकी मात्रा यानी वजन कम कर दिया जाएगा। कंपनियों का कहना है कि पाम ऑयल, चीनी और क्रूड ऑयल के दामों में उतार-चढ़ाव से मार्जिन पर दबाव बढ़ रहा है।

भारत में प्रमुख FMCG कंपनियां जैसे हिंदुस्तान यूनिलीवर (HUL), आईटीसी, नेस्ले, डाबर, ब्रिटानिया आदि इन प्रोडक्ट्स में सक्रिय हैं। FMCG वे रोजमर्रा के उपभोक्ता सामान हैं जो जल्दी बिकते और खर्च हो जाते हैं।

देश की प्रमुख बेकरी और स्नैक कंपनी ब्रिटानिया चालू तिमाही में 'श्रिंकफ्लेशन' के जरिए कीमतों में 1.5 से 2% की और बढ़ोतरी कर सकती है। यह कटौती मुख्य रूप से कंपनी के 5 और 10 वाले बिस्किट पैक्स में देखने को मिलेगी।

फास्ट न्यूज

शंघाई के एयरपोर्ट्स पर 1300 से ज्यादा उड़ानें रद

बीजिंग। ताइवान में भारी तबाही मचाने के बाद अब चक्रवाती तूफान 'डॉल्फिन' चीन के पूर्वी तट की ओर तेजी से बढ़ रहा है। तूफान के खतरे को देखते हुए शंघाई के दोनों प्रमुख हवाई अड्डों ने रविवार को 1,300 से अधिक उड़ानें रद कर दी हैं।

दरअसल, तूफान डॉल्फिन ने शनिवार को राजधानी ताइपे समेत उत्तरी ताइवान को प्रभावित किया।

भीषण गर्मी की चपेट में आधा इंग्लैंड

लंदन। इंग्लैंड में कई बार पड़ी भीषण गर्मी की वजह से सूखे जैसे हालात बन गए हैं। लंदन का ब्लैकहीथ उस सूखे की चपेट में है जिसका असर इंग्लैंड के आधे हिस्से पर पड़ रहा है। पूरा वेल्स और इंग्लैंड का लगभग आधा हिस्सा प्रभावित हुआ है।

यूके में जुलाई में होने वाली औसत बारिश का सिर्फ 35% ही पानी बरसा, जिससे 1868 के बाद से यह देश का सबसे सूखा जुलाई महीना रहा। इस वीकेंड यूके में एक बार फिर गर्मी बढ़ेगी और अगले हफ्ते साल की पांचवीं बड़े पैमाने पर हीटवेव घोषित होने की संभावना है।

यूटा में जंगल की आग बुझाते समय क्रैश हुआ हेलिकॉप्टर

यूटा। अमेरिका के यूटा में जंगल की आग बुझाते समय दुर्घटनाग्रस्त हुए दो हेलीकॉप्टर पायलटों की मौत हो गई है। इस बात की पुष्टि अधिकारियों ने शनिवार को की। सेवियर काउंटी शेरिफ के अनुसार, शुक्रवार सुबह जब उनका सिकोरस्की स्काईक्रेन हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ तो पायलटों की मौत हो गई।

बच्चे ने सीटबेल्ट नहीं लगाई तो कैंसिल हो गई टोरंटो जा रही फ्लाइट

ओटावा, एजेंसी

कनाडा में एक शरारती बच्चे की जिद के कारण सैकड़ों यात्रियों को 24 घंटे तक इंतजार करना पड़ा। 6 अगस्त को विक्टोरिया इंटरनेशनल एयरपोर्ट से टोरंटो जाने वाली पोर्टर फ्लाइट PD4444 रनवे पर जाने को तैयार थी, तभी क्रू ने देखा कि एक बच्चा सीटबेल्ट नहीं पहन रहा है। क्रू मेंबर्स और बच्चे के माता-पिता ने उसे मनाने की बहुत कोशिश की, लेकिन बच्चा मानने को तैयार नहीं था। सुरक्षा नियमों के कारण बिना सीटबेल्ट के टेकऑफ मुमकिन नहीं था। एयरलाइन ने कहा, पेरेंट्स और क्रू की कोशिशें नाकाम रहीं। इस अनसेफ कंडीशन में प्लेन उड़ नहीं सकता था, इसलिए टर्मिनल वापस जाकर पैसेंजर्स को उतारना पड़ा। क्रू के पास दूसरा ऑप्शन था कि बच्चे और उसके माता-पिता को वहीं छोड़ दिया जाए। लेकिन जब तक प्लेन को गेट पर लाया गया, उन्हें और उनका सामान उतारा गया और कागजी कार्रवाई हुई, तब तक देर हो चुकी थी। विक्टोरिया

एयरपोर्ट रात 12.30 बजे बंद हो जाता है। इस वजह से फ्लाइट को अगले दिन 7 अगस्त रात 10.49 बजे के लिए रीशेड्यूल किया गया। प्लेन आखिरकार शनिवार सुबह टोरंटो पहुंचा। अभी साफ नहीं है कि देरी से परेशान यात्रियों को मुआवजा मिला या नहीं। इस घटना के बाद सॉफ्ट पेरेंटिंग पर बहस छिड़ गई। लोग हैरान हैं कि माता-पिता बच्चे को कंट्रोल क्यों नहीं कर पाए। Reddit पर एक यूजर ने लिखा, पेरेंट्स ने कुछ नहीं किया, उन्होंने कहा सीटबेल्ट न पहनना उनका अधिकार है। वहीं X पर एक यूजर ने कहा कि पेरेंट्स पर फाइन लगना चाहिए था। एक अन्य यूजर ने लिखा कि प्लेन को जाने देना चाहिए था, पेरेंट्स को उतारकर उनका बैग जब्त कर लेना चाहिए था।

नई नौकरी तलाशने की 60 दिन की मोहलत खत्म करने की तैयारी, 5 लाख भारतीयों पर असर

एच-1बी वीजा वालों की नौकरी गई तो अमेरिका छोड़ना पड़ेगा

लन्दन, एजेंसी

अमेरिका में H-1B वीजा पर काम कर रहे विदेशी कर्मचारियों की मुश्किल बढ़ सकती है। अमेरिकी सरकार नौकरी जाने के बाद नई नौकरी तलाशने के लिए मिलने वाली 60 दिन की मोहलत खत्म करने पर विचार कर रही है। अगर यह बदलाव लागू होता है तो नौकरी जाने के बाद अमेरिका में रुकना मुश्किल हो सकता है।

यह प्रस्ताव फिलहाल व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट (OMB) को भेजा गया है। अभी यह नियम नहीं बना है। दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका में H-1B वीजा पर काम कर रहे करीब 5 लाख भारतीयों पर इसका असर पड़ सकता है। अगर किसी H-1B

इस दौरान कर्मचारी दूसरी कंपनी में नौकरी खोज सकता है। नई कंपनी उसके लिए एच-1बी की अर्जी लगा सकती है। नियमों के तहत, कुछ मामलों में कर्मचारी अर्जी मंजूर होने का इंतजार किए बिना नई कंपनी में काम शुरू कर सकता है।

कर्मचारी की नौकरी चली जाती है, तो उसे उसी समय अमेरिका छोड़ने की जरूरत नहीं होती। मौजूदा नियमों के मुताबिक, उसे अधिकतम 60 दिन का समय मिल सकता है। इस दौरान वह नई नौकरी खोज सकता है या अमेरिका में अपना स्टेटस बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठा सकता है। नई नौकरी ढूंढना ही अकेला रास्ता नहीं है। कुछ मामलों में कर्मचारी दूसरे वीजा या स्टेटस के लिए भी अर्जी दे सकता है। जैसे, कुछ शर्तों के तहत वह डिपेंडेंट या विजिटर स्टेटस के लिए आवेदन कर सकता है। अगर वह ग्रीन कार्ड के लिए पहले से योग्य है, तो उसके लिए भी कुछ रास्ते हो सकते हैं।

जयशंकर ने भी उठाया था मुद्दा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसी साल मई में यह मामला अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के सामने उठाया था। रूबियो ने माना था कि नए इमिग्रेशन सिस्टम में बदलाव के दौरान कुछ दिक्कतें और तनाव हो सकते हैं।

हालांकि, रूबियो ने कहा था कि अमेरिका इमिग्रेशन सिस्टम को ज्यादा प्रभावी बनाने की कोशिश कर रहा है और लंबे समय में इसका फायदा सभी पक्षों को मिलेगा। रूबियो ने यह भी कहा था कि यह कदम खासतौर पर भारत को निशाना बनाकर नहीं उठाया गया। उनके मुताबिक अमेरिका पिछले कुछ सालों में बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासियों की समस्या से जूझ रहा है। 2 करोड़ से ज्यादा लोग गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में दाखिल हुए और उसी चुनौती से निपटने के लिए यह बदलाव किए जा रहे हैं।

अमेरिका में 7 साल रहने वाले प्रवासियों को ग्रीन कार्ड मिलेगा

अमेरिका में रह रहे भारतीय H-1B वीजा धारकों समेत लाखों लोगों के लिए ग्रीन कार्ड पाने का नया मौका मिल सकता है। अमेरिकी सीनेट में एक ऐसा विधेयक पेश किया गया है, जिसमें पिछले 7 साल से लगातार अमेरिका में रह रहे लोगों को ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने की अनुमति देने का प्रस्ताव है। ग्रीन कार्ड अमेरिका में स्थायी रूप से रहने और काम करने की अनुमति देने वाला आधिकारिक दस्तावेज है। इसे आधिकारिक तौर पर परमानेंट रेजिडेंट कार्ड कहा जाता है।

भारत-अमेरिका साझेदारी मजबूत करने पर चर्चा, वेंस को बेटे के जन्म पर बधाई दी

अमेरिकी उपराष्ट्रपति से पीएम मोदी ने फोन पर की बात

नई दिल्ली, एजेंसी

पीएम मोदी ने शनिवार रात अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से फोन पर बातचीत की। मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट कर इसकी जानकारी दी।

मोदी ने लिखा, "अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का फोन आया। हमने प्रमुख क्षेत्रों में भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की।"

उन्होंने वेंस को बेटे के जन्म पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। दरअसल, 19 जुलाई को जेडी वेंस चौथी बार पिता बने थे।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस 3 से 7 मार्च 2025 तक भारत

में थे। उनके साथ-साथ उनकी पत्नी उषा और तीनों बच्चे- इवान, विवेक और मिराबेल भी भारत आए थे।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उन्हें दिल्ली में रिसीव किया था। एयरपोर्ट पर ही उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया था। उन्होंने PM मोदी से भी मुलाकात की थी। उपराष्ट्रपति बनने के बाद यह जेडी वेंस की पहली आधिकारिक भारत यात्रा थी।

ऊषा की मां एक बायोलॉजिस्ट हैं और पिता इंजीनियर। ऊषा कहती हैं कि उन्होंने अपने माता-पिता

उषा वेंस के माता-पिता आंध्र प्रदेश से थे

जेडी वेंस की पत्नी ऊषा का जन्म और स्कूली शिक्षा सैन डिएगो में हुआ है। उनके माता-पिता 1980 के दौरान आंध्र से अमेरिका आकर बस गए थे। अमेरिका में रहने के बावजूद उनके माता-पिता ने वहां की मॉडर्न संस्कृति से प्रभावित हुए बिना उन्हें भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म के अनुसार शिक्षा और संस्कार दिए। बाद में वेंस भी इन संस्कारों से प्रभावित हुए। के आदर्शों को ध्यान में रखते हुए ही पढ़ाई की है। येल से बैचलर की डिग्री हासिल करने के बाद ऊषा ने गेट्स कैम्ब्रिज स्कॉलरशिप की मदद से कैम्ब्रिज से मास्टर ऑफ फिलॉसफी की डिग्री हासिल की। ऊषा ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस जॉन रॉबर्ट्स के लिए क्लर्क के रूप में काम किया।

ट्रम्प भी 2027 की शुरुआत में भारत आ सकते हैं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प साल 2027 की शुरुआत में भारत आ सकते हैं। 27 जून को व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने ये बयान दिया। ये ट्रम्प की राष्ट्रपति रहते हुए दूसरी भारत यात्रा हो सकती है। इससे पहले ट्रम्प साल 2020 में पहली बार भारत यात्रा पर आए थे। वे अहमदाबाद में 'नमस्ते ट्रम्प' कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

खाना खाने के कुछ घंटों बाद मरा मिला लश्कर आतंकी

पाकिस्तान में अज्ञात व्यक्ति का खौफ

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के इस्लामाबाद की एक मस्जिद में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक सीनियर कमांडर की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। कमांडर कारी सईद अब्दुल अजीज ने नमाज पढ़ने के लिए कुबा मस्जिद पहुंचने से पहले एक अनजान रेस्टोरेंट में खाना खाया था। इसके बाद वह अचानक मस्जिद के गेट पर गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। उसकी मौत की वजह तुरंत साफ नहीं हो पाई। कारी सईद लश्कर के उस विभाग का इंचार्ज था जो जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों के परिवारों की मदद करता था। उसकी अचानक मौत की खबर ऐसे समय में आई है जब लश्कर के एक बड़े ऑपरेटिव ने दावा किया है कि अज्ञात लोगों ने पाकिस्तान के अंदर संगठन के करीब 30 सदस्यों को मार डाला है। एक वीडियो में रिजवान हनीफ

यह दावा करते हुए दिख रहा है कि पिछले तीन-चार सालों में 2008 के मुंबई हमलों (जिनमें 166 लोग मारे गए थे) के लिए जिम्मेदार उनके प्रतिबंधित संगठन के कई सदस्य पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (PoK) के अलग-अलग इलाकों में मारे गए हैं। पेशावर, कराची, रावलपिंडी, रावलाकोट और मुजफ्फराबाद में अज्ञात लोगों ने लश्कर-ए-तैयबा के 30 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया है। यह पहली बार है जब लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े किसी आतंकवादी ने ऐसी हत्याओं की बात सार्वजनिक रूप से स्वीकार की है।

निवेश : जुलाई में भारतीय बाजार में 20,200 करोड़ आए थे, वजह- क्रूड सस्ता हुआ

अगस्त के पहले-हफ्ते में एफपीआई ने 12,921 करोड़ निवेश किए

मुंबई, एजेंसी

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPIs) ने अगस्त के पहले हफ्ते में भारतीय शेयर बाजार में 12,921 करोड़ का भारी निवेश किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था की बेहतर होती स्थिति, अमेरिका में ब्याज दरें घटने की उम्मीद, कच्चे तेल के गिरते दाम और स्थिर रुपए के कारण विदेशी निवेशकों की लिवाली जारी है। जुलाई में हुए 20,200 करोड़ के निवेश के बाद लगातार दूसरे महीने भारतीय बाजार में पॉजिटिव फंड फ्लो देखा जा रहा है।

हालिया खरीदारी के बावजूद, विदेशी निवेशक 2026 में अब तक भारतीय इक्विटी में कुल मिलाकर

नेट सेलर बने हुए हैं। इस साल अब तक FPIs भारतीय शेयर बाजार से 2.41 लाख करोड़ रुपए निकाल चुके हैं। यह आंकड़ा पूरे साल 2025 में हुई 1.66 लाख करोड़ रुपए की कुल बिकवाली से भी ज्यादा हो चुका है। बजाज ब्रोकिंग के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट (रिसर्च) पवित्रो मुखर्जी का मानना है कि FIIs और DIIs की ओर से लगातार जारी खरीदारी के पीछे भू-राजनीतिक (जियोपॉलिटिकल) तनाव का कम होना एक मुख्य वजह है। तनाव कम होने से वैश्विक निवेशकों का सेंटिमेंट पॉजिटिव हुआ है, जिससे भारतीय शेयर बाजार को मजबूत सहारा मिला है।

लगातार 4 महीने की बिकवाली के बाद ट्रेंड बदला

जून में 49,340 करोड़, मई में 32,963 करोड़, अप्रैल में 60,847 करोड़ और मार्च में 1.17 लाख करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बिकवाली के बाद जुलाई से बाजार में ट्रेंड बदला है।

CDSL के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च से जून तक लगातार चार महीनों की बिकवाली से पहले FPIs ने फरवरी में 22,615 करोड़ का निवेश किया था। इसके बाद जुलाई में 20,200 करोड़ का इनफ्लो दर्ज किया गया, जिससे भारतीय शेयर बाजार में रिकवरी देखने को मिली है।

सेकेंडरी मार्केट और लिस्टेड कंपनियों में रुचि बढ़ी

इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म Trackk के को-फाउंडर और CEO वेदांत गुप्ते ने बताया कि हालिया निवेश बाजार में सुधरते सेंटिमेंट का नतीजा है। अमेरिका में रेट कट की उम्मीद, कच्चे तेल की घटती कीमतें और स्थिर रुपए ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया है। वेदांत गुप्ते ने कहा कि RBI द्वारा ग्रोथ और महंगाई को लेकर दिए गए बेहतर आउटलुक ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया है। भारतीय शेयरों में विदेशी हिस्सेदारी फिलहाल निचले स्तर पर है, जिससे नए फंड्स के लिए काफी गुंजाइश बची हुई है।

बारिश के मौसम में घर खरीदना रहेगा सही

बिल्डिंग की मजबूती और क्वालिटी का सही पता चलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर आप घर या प्रॉपर्टी खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो बारिश का मौसम इसके लिए सही समय रहेगा। इस मौसम में मकान और उसके आसपास के इलाके वैसे नहीं रह जाते जैसे ये सालभर दिखाई देते हैं।

इस मौसम में घर और प्रॉपर्टी को सही तरह से परखा जा सकता है। साथ ही, इस समय बैंक की होम लोन की ब्याज दरें भी कम हैं।

मकान की खूबसूरत से ज्यादा उसकी मजबूती जरूरी है। बरसात में प्रॉपर्टी की क्वालिटी का सही पता लगाया जा सकता है। छत या दीवारों पर सीलन, जमीन, खिड़की, दरवाजों और खासतौर पर बाथरूम में नमी नजर आ रही है, तो न खरीदना ही बेहतर होगा। वहीं बरसात में कई जगहों पर पानी भरने की समस्या रहती है इसीलिए ये देखे

की पानी निकासी की व्यवस्था है या नहीं। घर खरीदते वक्त आसपास की सुविधाएं और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान देना चाहिए। बारिश के मौसम में कुछ सड़कों पर पानी भरने, ट्रैफिक और बिजली की समस्या होती है। खासतौर पर मकान या कॉलोनी निर्माताओं द्वारा मुख्य सड़क जोड़े रखने वाली अच्छी सड़क के कई वादे किए जाते हैं, पर असलियत कई बार यह नहीं होती। सड़क असुविधाजनक या जोखिम भरी हुई तो नहीं है, इसका ध्यान जरूर रखें। इन सुविधाओं का अंदाजा बारिश में ही लग सकता है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96